राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com ) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर,गुरुवार , 14 मई 2026
वर्ष 14,अंक 35, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

मोटर साइकिल और ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर दो लोगों की मौत...03

असम सरकार का शपथ ग्रहण समारोह...04

## मेदांता में एडमिट होने से लेकर 'ब्रॉट डेड' तकजानें प्रतीक यादव के मौत की पूरी टाइमलाइन

समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और बीजेपी नेता अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव की मौत हो गई. बुधवार तड़के प्रतीक यादव की तबीयत अचानक बिगड़ी थी और उसके उनकी मौत हो गई. परिवार के करीबी लोगों का कहना है कि उन्हें लंबे समय से फेफड़ों से जुड़ी दिक्कत थी और ब्लड क्लॉटिंग का भी इलाज चल रहा था. रात में हालत खराब होने पर उन्हें लखनऊ के सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें 'ब्रॉट डेड' घोषित कर दिया. अस्पताल प्रशासन के अनुसार जब उन्हें अस्पताल लाया गया तब शरीर में कोई लाइफ साइन नहीं थी. सिविल अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. देवेश चंद्र पांडेय ने बताया कि पहले ड्राइवर अस्पताल पहुंचा और मदद मांगी. इसके बाद मेडिकल टीम को घर भेजा गया, लेकिन तब तक स्थिति गंभीर हो चुकी थी. बाद में प्रतीक यादव को अस्पताल लाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया. इसके बाद परिवार की मांग पर प्रतीक यादव की लाश का पोस्टमॉर्टम किया गया, जिसमें जिसकी रिपोर्ट में उनकी मौत 'कार्डियोरेस्पिरेटरी कोलैप्स' से हुई, जिसकी वजह 'मेसिव पल्मोनरी थ्रोम्बोएंबोलिज्म' यानी फेफड़ों में खून का बड़ा थक्का बनना बताया गया.

**मेदांता में चल रहा था इलाज, देर रात बिगड़ी तबियत**

परिवार से जुड़े सूत्रों का कहना है कि प्रतीक यादव को 30 अप्रैल को मेदांता हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था. यहां वो तीन दिन तक भर्ती थे. इसी दौरान उनके बाएं पैर की सर्जरी हुई थी. उनका इलाज मेदांता अस्पताल के इंटरनल मेडिसिन डिपार्टमेंट की डॉक्टर रचिता शर्मा की निगरानी में लंबे समय से फेफड़े एम्बोलिस्म का इलाज चल रहा था. तीन दिन एडमिट रहने के बाद प्रतीक यादव ने खुद को डिस्चार्ज करवा लिया था, लेकिन उनके पैर में सूजन बनी हुई थी. इसकी वजह से उनका बाहर आना-जाना बंद था. मेदांता अस्पताल के डायरेक्टर राकेश कपूर ने से बात करते हुए कहा कि बीच-बीच में वह कई बार 24-24 घंटे के लिए मेदांता में एडमिट हुए थे. उनकी तबियत काफी खराब थी. परिवार से जुड़े लोगों का दावा है कि मंगलवार रात करीब 11:30 बजे प्रतीक की तबीयत बिगड़ गई थी. इसके बाद ड्राइवर और स्टाफ की मदद से उन्हें सिविल हॉस्पिटल लाया गया था. यहां करीब एक घंटे इलाज चला, फिर वह घर चले गए थे. हालांकि, सिविल हॉस्पिटल की ओर से इसकी पुष्टि न की गई है. सिविल हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. जीपी गुप्ता के मुताबिक, उन्हें बुधवार सुबह 5 बजे फोन आया था कि प्रतीक यादव की तबियत खराब है. इसके बाद सिविल हॉस्पिटल से फार्मासिस्ट और एक अन्य स्टाफ प्रतीक के घर गए थे.

**अखिलेश के बयान के क्या मायने?**

पोस्टमॉर्टम हाऊस से बाहर निकलकर अखिलेश यादव ने कहा, 'मैंने उसे बचपन से देखा है. बहुत दुखद है कि आज वह हमारे बीच नहीं है. बचपन से ही वह अपने स्वास्थ्य और फिटनेस को लेकर सजग था. वह जीवन में आगे बढ़ना चाहता था. वह बहुत अच्छा लड़का था और अपनी मेहनत से कुछ करना चाहता था. करीब दो महीने पहले मेरी उससे मुलाकात हुई थी. मैंने उससे कहा था कि अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखो और अपने बिजनेस को आगे बढ़ाओ. कभी-कभी कारोबार में जो नुकसान होता है, उससे आदमी बहुत दुखी हो जाता है. अब वह हमारे बीच नहीं है. जो कानूनी प्रक्रिया होगी और परिवार जो चाहेगा, वही किया जाएगा.' यह बयान देने के बाद अखिलेश यादव निकल गए थे.

**करीब दो घंटे तक चला पोस्टमॉर्टम, सीधे घर पहुंचीं अपर्णा**

KGMU के दो डॉक्टरों और सीएमओ की ओर से अप्वाइंट चार डॉक्टरों की टीम ने प्रतीक यादव के शव का पोस्टमॉर्टम किया. पोस्टमॉर्टम के दौरान प्रतीक यादव के ससुर और साले मौजूद थे. करीब 10:30 बजे पोस्टमॉर्टम खत्म हुआ. इसके बाद अपर्णा यादव के आने का इंतजार किया जा रहा था. शुरुआती जानकारी थी कि गुवाहटी की फ्लाइट से लैंड करने के बाद अपर्णा सीधेचत्नरूआएंगी, लेकिन उनकी फ्लाइट 15 मिनट लेट हो गई. इसके बाद वह सीधे घर के लिए रवाना हो गई. दोपहर 1:30 बजे ही प्रतीक का शव भी घर के लिए रवाना हो गया. शव के पहुंचते ही पूरा मुलायम परिवार भी पहुंच गया.

**पहुंचा पूरा मुलायम परिवार, कल होगा अंतिम संस्कार**

सबसे पहले शिवपाल सिंह यादव पहुंचे. उसके बाद डिंपल और धर्मेंद यादव. फिर अखिलेश यादव. साथ ही बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह भी पहुंचे.. शाम 4:55 बजे तक खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी पहुंचे. प्रतीक का अंतिम संस्कार कल यानी गुरुवार को दोपहर 1:30 बजे लखनऊ में किया जाएगा. बताया जा रहा है कि जिस घाट पर मां साधना यादव का अंतिम संस्कार हुआ था, वहीं पर प्रतीक भी पंचतत्व में विलीन होंगे. फिलहाल अपर्णा यादव के घर पर लोगों का जमावड़ा है और हर कोई प्रतीक यादव की असमय मौत पर दुख जाहिर कर रहा है.

**पोस्टमार्टम रिपोर्ट में क्या सामने आया?**

शाम 5 बजे तक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट भी सामने आ गया. इसके मुताबिक, प्रतीक यादव की मौत 'कार्डियोरेस्पिरेटरी कोलैप्स' से हुई, जिसकी वजह 'मेसिव पल्मोनरी थ्रोम्बोएंबोलिज्म' यानी फेफड़ों में खून का बड़ा थक्का बनना बताया गया. हालांकि रिपोर्ट में सबसे ज्यादा चर्चा शरीर पर मिले चोटों के निशानों को लेकर हो रही है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कुल छह चोटों का जिक्र है. इनमें छाती, हाथ और कलाई पर चोटें शामिल हैं. रिपोर्ट में कई चोटों के नीचे खून जमने यानी 'इकाइमोसिस' के संकेत भी दर्ज किए गए हैं. डॉक्टरों ने साफ लिखा है कि सभी चोटें 'एंटेमॉर्टम' थीं, यानी मौत से पहले लगी थीं. पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार मृत्यु का कारण Massive Pulmonary Thromboembolism बताया गया है. यानी फेफड़ों की रक्त वाहिकाओं में बड़े स्तर पर खून के थक्के (ब्लड क्लॉट) बनने के कारण हृदय और श्वसन तंत्र अचानक फेल हो गया, जिससे कार्डियो-रेस्पिरेटरी कोलैप्स हुआ. रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पूरे हृदय और फेफड़ों से मिले थ्रोम्बोएम्बोलिक मैटेरियल को हिस्टोपैथोलॉजिकल जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है और विसरा को केमिकल एनालिसिस के लिए संरक्षित किया गया.

**प्रतीक यादव के शरीर पर मिली चोटें**

रिपोर्ट के अनुसार कुछ चोटें 7 से 10 दिन पुरानी थीं, जबकि कुछ चोटें लगभग एक दिन पहले की बताई गई हैं. यही बात अब जांच का सबसे बड़ा विषय बन गई है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह भी दर्ज है कि हार्ट और फेफड़ों से जुड़ी सामग्री को हिस्टोपैथोलॉजी जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है. इसके अलावा विसरा भी केमिकल एनालिसिस के लिए संरक्षित किया गया है. इसका मतलब है कि डॉक्टर अभी अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंचे हैं और आगे की फॉरेंसिक रिपोर्ट बेहद अहम होगी. इस बीच कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रतीक की मौत की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है.

## फर्जी शादी, नकली पुलिस और लाखों की लूट गोरखपुर की लुटेरी दुल्हन गिरफ्तार, कैसे फंसाती थी दूल्हे

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में शादी का झांसा देने वाली लुटेरी दुल्हन इस समय पुलिस की गिरफ्त में है. इस गैंग के 7 सदस्यों को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है. इस गैंग के सदस्य लोगों को शादी का झांसा देकर उनका सामान लेकर फरार हो जाते थे. लुटेरी दुल्हन की पुलिस को काफी दिन से तलाश थी. इस गैंग के सदस्य राजस्थान के दूल्हे और उसके परिवार के लोगों को गोरखपुर बुलाकर उन्हें बंधक बनाकर लाखों रुपए लूट लिए थे. इस घटना के बाद से ही झूठी शादी करने वाली दुल्हन फरार चल रही थी. पकड़ी गई आरोपी दुल्हन की पहचान बलिया जिले के रसड़ा थाना क्षेत्र के मेहुली निवासी नीलम सिंह के रूप में हुई है. वह गोरखपुर के रामगढ़ताल क्षेत्र स्थित रुस्तमपुर राजीव नगर कॉलोनी में पिछले 2 साल से रह रही थी. पुलिस की माने तो आरोपी महिला अपने गिरोह के साथ मिलकर अलग-अलग प्रदेश में लोगों को शादी का झांसा देकर बुलाती थी, और उन्हें बंधक बनाकर उगाही, लूट की घटना को अंजाम देती थी. पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि वह अपना सही नाम छिपाकर खुद को रेखा नाम से परिचित कराती थी.

**पहले एनजीओ में करती थी कॉल**

पति से विवाद के बाद वह अलग रहती थी और शहर के एक हल्रह से जुड़कर महिलाओं को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का काम करती थी. पुलिस ने मंगलवार को आरोपी महिला को रामगढ़ताल थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया. इसके बाद आरोपी महिला को कोर्ट में पेश करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है. वहीं आरोपी महिला ने अपने मकान मालिक को बताया था कि वह मॉल में नौकरी करती है. इसी दौरान महिला की पहचान गोरखनाथ क्षेत्र की रहने वाली शैला देवी से हुई, जो हिस्ट्रीसीटर अंकुर सिंह के गिरोह से जुड़ी हुई थी. पैसे की लालच में दोनों ने मिलकर फर्जी शादी कर लोगों को फंसाने की साजिश रची. इस मामले में पुलिस पहले ही 7 लोगों को जेल भेज चुकी है. इनमें हिस्ट्री सीटर अंकुर सिंह भी शामिल है. पुलिस मुख्य आरोपी नीलम सिंह की गिरफ्तारी के बाद अब उसकी कथित मुंह बोली बहन और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है.

**प्लान बनाकर लोगों को बनाते थे शिकार**

चिलुआताल इलाके का शातिर हिस्ट्री शीटर अंकुर सिंह ने फर्जी शादी के जरिए पैसे हड़पने की योजना बनाई थी. इसके लिए वह खुद फर्जी इंस्पेक्टर बना और अपने चार साथियों को ट्रेनिंग देकर पुलिस कांस्टेबल और हेड कांस्टेबल बना दिया. वहीं नाचने गाने वाली लड़कियों को अधिक पैसा देकर दुल्हन बनाने के लिए तैयार किया था. हिस्ट्रीशीटर ने अपनी योजना को अंजाम तक पहुंचाने के लिए हरियाणा के दलाल राजू शर्मा को भी अपने टीम में शामिल किया था.

**अधिक उम्र के कुंवारे लड़कों को फंसाते**

राजू हरियाणा, राजस्थान के अधिक उम्र के कुंवारे लड़कों को खोजता था और उन्हें बिहार और यूपी में अच्छी शादी कराने का विश्वास दिलाता था. शादी के लिए तैयार होने पर राजू दूल्हे और उसके परिवार को गोरखपुर के चिलूवाताल इलाके में स्थित अंकुर सिंह के घर लाता था. यहां बाकायदा एक लड़की के साथ दूल्हे का जयमाल भी कराया जाता था. इसके बाद हिस्ट्री शीटर खुद इंस्पेक्टर और साथियों को फर्जी पुलिस टीम के साथ एंट्री करता था. इसके बाद दूसरे राज्य से आए दूल्हे के परिवार वालों को डरा धमका कर उनसे पैसा वसूलता था. राजस्थान के पीड़ित युवक की शिकायतपर चिलूवाताल थाने की पुलिस ने इस गैंग का भंडाफोड़ कर दिया.

## तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता क्रांति की ओर बढ़ा उत्तर प्रदेश, योगी सरकार ने नैक आधारित सुधारों को दी नई रफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश में तकनीकी शिक्षा को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी और गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों और तकनीकी विश्वविद्यालयों को नैक मानकों के अनुरूप तैयार करने के लिए व्यापक सुधार अभियान चलाया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य केवल डिग्री आधारित शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीकी संस्थानों को अकादमिक उत्कृष्टता, रिसर्च, नवाचार और रोजगारपरक शिक्षा के केंद्र के रूप में विकसित करना है। तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा लागू किए गए 'स्टेट क्वालिटी फ्रेमवर्क (एसक्यूएफ)' को इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इस फ्रेमवर्क के माध्यम से प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लिए नैक, एनआईआरएफ (नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क) और एनबीए (नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रीडिएशन) आधारित गुणवत्ता मानकों को व्यवस्थित रूप से लागू किया जा रहा है। इससे तकनीकी संस्थानों की रैंकिंग, शैक्षणिक गुणवत्ता और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में सुधार आने की उम्मीद है। प्रदेश में वर्तमान समय में 14 राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, एचबीटीयू, एमएमएमयूटी और एकेटीयू जैसे प्रमुख तकनीकी विश्वविद्यालयों के साथ-साथ 771 निजी इंजीनियरिंग एवं फार्मेसी संस्थान संचालित हो रहे हैं। इतने बड़े नेटवर्क को एक समान गुणवत्ता ढांचे से जोड़ना योगी सरकार की तकनीकी शिक्षा सुधार नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। सरकार की रणनीति केवल नीतिगत घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्थानों को व्यावहारिक रूप से तैयार करने पर भी जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में कॉलेजों के लिए सेल्फ-असेसमेंट प्रोफॉर्मा तैयार किया गया है, ताकि संस्थान स्वयं अपनी शैक्षणिक और प्रशासनिक गुणवत्ता का मूल्यांकन कर सकें। इसके अलावा इंजीनियरिंग कॉलेजों को एसआईआरएफ (स्टेट इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क) प्लेटफॉर्म से जोड़ा जा रहा है, जिससे डेटा आधारित मूल्यांकन और पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा। तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेशभर में जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित करने की भी तैयारी की गई है। इन कार्यशालाओं के जरिए संस्थानों को नैक की आवश्यकताओं, दस्तावेजीकरण, रिसर्च आउटपुट, फैकल्टी डेवलपमेंट और छात्र सुविधाओं से जुड़े मानकों की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही कॉलेजों में उपलब्ध डेटा और नैक दिशा-निर्देशों के बीच अंतर का भी मूल्यांकन किया जाएगा, ताकि कमियों को समय रहते दूर किया जा सके। विभाग से जुड़े अधिकारियों के अनुसार योगी सरकार का यह प्रयास प्रदेश की तकनीकी शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने वाला साबित हो सकता है। लंबे समय तक उत्तर प्रदेश के कई तकनीकी संस्थान केवल सीट भरने तक सीमित माने जाते थे, लेकिन अब सरकार उन्हें गुणवत्ता आधारित शिक्षा मॉडल की ओर ले जाने का प्रयास कर रही है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप तकनीकी संस्थानों में रिसर्च, इनोवेशन, इंडस्ट्री कनेक्ट और स्किल डेवलपमेंट पर बढ़ते फोकस को भी इस पहल से मजबूती मिलने की संभावना है। सरकार का उद्देश्य ऐसे तकनीकी संस्थान विकसित करना है जो केवल डिग्री न दें, बल्कि छात्रों को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप तैयार करें। योगी सरकार की यह पहल 'एक ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी' के लक्ष्य से भी जुड़ी मानी जा रही है। बेहतर तकनीकी शिक्षा, कुशल मानव संसाधन और उद्योगों के लिए प्रशिक्षित युवाओं की उपलब्धता प्रदेश में निवेश और औद्योगिक विकास को नई गति दे सकती है। यही वजह है कि तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता सुधार को सरकार विकास की दीर्घकालिक रणनीति के केंद्र में रख रही है।

## संक्षिप्त ख़बरें

### रिजल्ट ने छीनी बेटे की मुस्कान, CBSE 12वीं में हुआ फेल; कमरे में फांसी लगाकर दे दी जान

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से एक छात्र की आत्महत्या की दर्दनाक घटना सामने आई है. यहां के कछवां कोतवाली क्षेत्र में सीबीएसई बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम के बाद छात्र इतना गमगीन हो गया कि उसने आत्महत्या जैसा खौफनाक कदम उठा लिया. इस कदम से एक हंसते खेलते परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. वहीं परिजनों ने शव का पंचनामा करने के बाद शव वापस सौंप की मांग कर रहे हैं.जानकारी के मुताबिक, मामला कछवां कोतवाली के भैसा गांव का है. वीकेएस स्कूल में पढ़ने वाला छात्र शिवांश चौबे बुधवार को सीबीएसई बोर्ड इंटरमीडिएट की रिजल्ट आने पर घर से निकलकर रिजल्ट देखने गया. फेल होने पर चुपचाप घर वापस आ गया. एक कमरे में गया और अंदर से कमरा बंद कर लिया बेडशीट का फंदा बनाकर पंखे के हुक से फंदा लगाकर झूल गया. मां कमरे के पास गई और बोली बेटा रिजल्ट देखें कि नहीं देखें, कोई आवाज नहीं आने पर कमरे के पास गई तो देखा दरवाजा अंदर से बंद था.पंखे से लगाई फांसी मां ने जब खिड़की से देखा तो उनके पैरों तले से जमीन खिसक गई. बेटा फांसी के फंदे से लटका हुआ था. मां इस हालत में बेटे को देखकर दहाड़े मारकर कमरे के पास रोने लगी. परिजनों ने पहुंचकर दरवाजे को तोड़कर छात्र को नजदीकी अस्पताल क्रिश्चियन ले गए, जहां डॉक्टरों ने छात्र को मृत घोषित कर दिया.

**घर का इकलौता बेटा था छात्र**

बताया जा रहा कछवां थाना क्षेत्र के भाई साहब गांव के रहने वाले अनुज चौबे का इकलौता बेटा शिवांश था जो वी के एस स्कूल में पढ़ता था.वही कछवां थाना प्रभारी अमरजीत चौहान ने बताया कि एक छात्रा ने सुसाइड किया है पंचनामा कारकर पोस्टमार्टम भेजने की तैयारी की जा रही है, लेकिन परिजन चाहते हैं कि पंचनामा कर शव सौप दी जाए आगे की कार्रवाई की जा रही है.

## सोनिया गांधी अस्पताल पहुंचीं, रूटीन मेडिकल चेकअप के बाद लौटीं घर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को बुधवार (13 मई) सुबह गुड़गांव के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया था. उन्हें रूटीन चेकअप के लिए अस्पताल ले जाया गया था. जहां डॉक्टरों ने उनका चेकअप किया. बताया जा रहा है कि करीब चार घंटे तक अस्पताल में रहने के बाद डॉक्टरों ने गांधी को अस्पताल से छुट्टी दे दी. जिसके बाद वो वापस दिल्ली लौट गई. इस दौरान उनके साथ बेटे राहुल और बेटी प्रियंका भी साथ थीं. इसी साल 24 मार्च को भी सोनिया गांधी को तबीयत बिगड़ने के बाद दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया. उन्हें पेट में इन्फेंक्शन से जूड़ी समस्या बताई गई थी, जिसके बाद वो अस्पताल गई थीं. मार्च से पहले वो जनवरी में भी अस्पताल में एडमिट हुई थी. जनवरी में उन्हें सांस लेने की दिक्कत के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था. जनवरी से अब तक ये तीसरा मौका है जब उन्हें अस्पताल में एडमिट होना पड़ा है.

**चेकअप के बाद वापस दिल्ली लौटीं सोनिया**

पिछले काफी समय से सोनिया गांधी की तबीयत नासाज बनी रहती है. उन्हें पेट से जुड़ी समस्याएं,फेफड़ों से जुड़ी समस्याएं और सांस से जुड़ी दिक्कत रहती हैं सर गंगा राम अस्पताल, शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज और गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में उनका इलाज चलता है.आज डॉक्टर से चेकअप के बाद वापस दिल्ली लौट गई.

**मशहूर राजनीतिक हस्तियों में शुमार**

सोनिया गांधी की मशहूर राजनीतिक हस्तियों में शुमार हैं. 79 साल की सोनिया फिलहाल राजस्थान से राज्यसभा की सांसद हैं. स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के बाद भी वो पूरी तरह से राजनीति में सक्रिय हैं. कांग्रेस को ऊंचाई तक पहुंचाने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई.

**1998 में कांग्रेस अध्यक्ष का पदभार संभाला**

1998 में उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष का पदभार संभाला और लगातार 22 सालों तक पार्टी का नेतृत्व किया जिससे वे पार्टी के इतिहास में सबसे लंबे समय तक अध्यक्ष रहने वाली महिला बन गईं. बाद में वो 2019 में फिर से इस पद पर लौटीं और तीन और वर्षो तक अध्यक्ष पद पर में बनी रहीं. राजीव गांधी की हत्या के बाद सोनिया गांधी कई सालों तक राजनीति से दूर रहीं, लेकिन पार्टी नेताओं के बार-बार कहने पर उन्होंने 1997 में राजनीति में कदम रखा और पार्टी को संभाला.

## किसानों को सरकार का बड़ा तोहफा, 14 खरीफ फसलों के लिए रस्क्कमें बढ़ोतरी, जानें कितना मिलेगा लाभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

केंद्र सरकार ने खरीफ फसल वर्ष 2026-27 के विपणन सीजन के लिए फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बुधवार को इजाफे का ऐलान किया। पिछले वर्ष की तुलना में एमएसपी में सूरजमुखी में 622 रुपये प्रति क्विंटल, कपास में 557 रुपये प्रति क्विंटल, नाइजरसीड में 515 रुपये प्रति क्विंटल और तिल में 500 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) ने विपणन सीजन 2026-27 के लिए इस वृद्धि को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री अश्निनी वैष्णव ने यहां यह जानकारी देते हुए कहा कि विपणन सत्र 2026-27 के लिए खरीफ फसलों के एमएसपी में वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 में एमएसपी को अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना पर निर्धारित करने की घोषणा के अनुरूप है। किसानों को उत्पादन लागत पर मिलने वाला अपेक्षित लाभ मूंग (61 प्रतिशत) में सबसे अधिक (इसके बाद बाजरा (56 प्रतिशत), मक्का (56 प्रतिशत) और अरहर (54 प्रतिशत) में होगा। शेष फसलों के लिए, किसानों को उत्पादन लागत पर मिलने वाला लाभ 50 प्रतिशत रहने का अनुमान है। सामान्य धान और ग्रेड-ए के धान में 72 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। केंद्र सरकार के इस फैसले से धान का नया समर्थन मूल्य 2441 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है जबकि ग्रेड ए धान के लिए किसान को 2461रुपये प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जाएगा। इसके अलावा बाजरा के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 125 रुपये प्रति क्विंटल का इजाफा किया गया जिससे इसकी एमएसपी बढ़कर 2900 रुपये प्रति क्विंवटल हो गई है। अनाजों में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी रागी में 319 रुपये प्रति क्विंटल तो सबसे कम मक्का में केवल 10 रुपये प्रति क्विंटल ही बढ़ाये गए हैं। दलहन में अरहर के भाव में सबसे ज्यादा 450 रुपये प्रति क्विंवटल तो मूंग के भाव में केवल 12 रुपये का इजाफा किया गया है। अरहर की एमएसपी पिछले साल 8000 रुपये प्रति क्विंवटल घोषित की गयी थी। अब इसमें 450 रुपये की बढ़ोतरी के बाद इसकी नयी एमएसपी 8450 रुपये प्रति क्विंवटल हो गयी है। इसी तरह उड़द की एमएसपी में 400 रुपये बढ़ाये गए हैं। इससे इसका न्यूनतम समर्थन मूल्य 7800 रुपये प्रति क्विंवटल से तेज होकर 8200 रुपयेप्रति क्विंवटल हो गया है। लागत के अनुपात में देखें तो मूंग के किसान को उसकी लागत से 5438 रुपये प्रति क्विंवटल से 61 प्रतिशत अधिक का फायदा होगा। इसी तरह अरहर के किसान को 54 प्रतिशत का तो उड़द किसान को 51 प्रतिशत का फायदा होगा। कपास के मध्यम रेशे में 557 रुपये तो लंबे रेशे में भी 557 रुपये का इजाफा किया गया है। इससे मध्यम रेशे की एमएसपी 8267 रुपये प्रति क्विंवटल और लंबे रेशे की एमएसपी 8667 रुपये क्विंटल हो गयी है। तिलहनी फसलों में सूरजमुखी के भाव में 622 रुपये प्रति क्विंवटल की बढ़ोतरी की गयी है जिससे इसकी नयी एमएसपी पिछले साल की 7721 से बढ़कर 8343 रुपये प्रति क्विंवटल हो गयी है। मूंगफली के दामों में 254 रुपये प्रति क्विंवटल बढ़ोतरी हुयी है इससे इसकी नयी एमएसपी 7263 से बढकर 7517 रुपये प्रति क्विंवटल हो गई है। सोयाबीन (पीला) के भाव में 380 रुपये की वृद्धि की है। इससे यह 5328 से बढकर 5708 रुपये प्रति क्विंवटल पर खरीदी जायेगी। इसके अलावा तिल का भाव 500 रुपये तेज कर दिया गया है। इससे यह 9846 से बढकर 10346 की नयी एमएसपी पर आ गया है। नाइजर सीड या रामतिल का भाव भी 515 रुपये बढाया गया है। इससे यह 9537 रुपये से तेज होकर 10052 रुपये प्रति क्विंवटल पर खरीदा जायेगा।

## पिता ने अपनी सौतेली बेटी के साथ की अश्लील हरकत, मां की पड़ी नजर फिर.

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में 22 वर्षीय सौतेली बेटी का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न का प्रयास करने और उसके मंगेतर को जान से मारने की धमकी देने के आरोपी पिता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीड़िता और उसकी मां की शिकायत के बाद गोपीगंज थाने में मामला दर्ज किया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक शैलेश कुमार राय ने बताया कि 22 वर्षीय लड़की ज्यादातर अपने नाना-नानी के घर पर रहती थी और दो सप्ताह से एक महीने के अंतराल पर अक्सर अपनी मां से मिलने आती थी। उन्होंने बताया कि आरोपी पिता लंबे समय से लड़की को देखकर अश्लील हरकतें करता था और उसे गलत तरीके से छूने की कोशिश करता था। राय ने प्राथमिकी का हवाला देते हुए बताया कि आरोपी पिता ने अपनी सौतेली बेटी से कथित तौर पर दुष्कर्म करने का भी प्रयास किया था। उन्होंने बताया कि पीड़िता की मां ने अपने पति के आचरण से परेशान होकर अपनी बेटी की शादी तय कर दी थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने प्रस्तावित शादी का विरोध किया और अपनी पत्नी व सौतेली बेटी को धमकी दी कि अगर उसने यह शादी की तो वह उस आदमी को गोली मार देगा। पुलिस के अनुसार, आरोपी पिता ने मां और बेटी दोनों को उसकी बात मानने या गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी थी। राय ने बताया कि मंगलवार देर शाम आरोपी पिता सहित सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

# वैश्विक अस्थिरता और जनभागीदारी का संकल्प

भारत इस समय ऐसे वैश्विक दौर से गुजर रहा है जहाँ अंतरराष्ट्रीय तनाव, बढ़ती तेल कीमतें और विदेशी मुद्रा पर दबाव जैसी चुनौतियाँ लगातार सामने आ रही हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष ने दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। भारत जैसे देश, जो अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करते हैं, उनके लिए यह स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। इसी पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से अपील की है कि वे अपनी जीवनशैली में कुछ बदलाव करें और राष्ट्रहित में संयम अपनाएँ। उन्होंने लोगों से एक वर्ष तक गैर जरूरी सोने की खरीदारी टालने, पेट्रोल और डीजल का सीमित उपयोग करने, सार्वजनिक परिवहन अपनाने और अनावश्यक विदेशी यात्राओं से बचने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री की यह अपील केवल एक सामान्य सलाह नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरी आर्थिक चिंता छिपी हुई है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है। देश अपनी कुल जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तब भारत को अधिक विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है। हाल के दिनों में कच्चे तेल की कीमत लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 105 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुँच गई है। कुछ रिपोर्टों में यह भी कहा गया कि कीमतें 126 डॉलर प्रति बैरल के करीब तक चली गई।

तेल की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर आम जनता पर पड़ता है। परिवहन महँगा होता है, वस्तुओं की कीमतें बढ़ती हैं और महँगाई का दबाव बढ़ जाता है। भारत में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस का उपयोग बहुत बड़े स्तर पर होता है। यदि देश का हर नागरिक थोड़ी भी बचत करे तो करोड़ों डॉलर की विदेशी मुद्रा बचाई जा सकती है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री ने मेट्रो, रेल, साझा वाहन और विद्युत वाहनों के उपयोग पर जोर दिया है। सोने की खरीदारी को लेकर की गई अपील भी आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना उपभोक्ता देश माना जाता है। देश में हर वर्ष लगभग 700 से 900 टन सोने का आयात होता है। भारत में घरेलू उत्पादन बहुत कम है, इसलिए लगभग पूरा सोना विदेशों से आता है। इसका भुगतान विदेशी मुद्रा में करना पड़ता है। विवाह और सामाजिक परंपराओं के कारण भारत में सोने की माँग बहुत अधिक रहती है। अनुमान है कि देश में हर वर्ष लगभग 1 करोड़ से 1.2 करोड़ विवाह होते हैं और इनमें बड़ी मात्रा में सोने की खरीदारी की जाती है।

प्रधानमंत्री ने इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए लोगों से कहा कि यदि संभव हो तो एक वर्ष तक गैर जरूरी सोने की खरीदारी टाल दी जाए। इसका उद्देश्य परंपराओं को समाप्त करना नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में राष्ट्रहित को प्राथमिकता देना है। यदि करोड़ों परिवार थोड़ी भी बचत करें तो इससे देश की विदेशी मुद्रा स्थिति मजबूत हो सकती है। वर्तमान समय में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ना किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय हो सकता है। विदेशी मुद्रा भंडार कम होने से आयात महँगा होता है और मुद्रा पर दबाव बढ़ता है।

प्रधानमंत्री ने केवल ईंधन और सोने की बात नहीं की, बल्कि जीवनशैली में व्यापक बदलाव का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि महामारी के समय अपनाई गई कई व्यवस्थाएँ फिर से उपयोगी हो सकती हैं। उस समय लोगों ने घर से काम करना, ऑनलाइन बैठकों का उपयोग और अनावश्यक यात्राओं से बचना सीखा था। यदि आज फिर से ऐसी व्यवस्थाओं को सीमित रूप में अपनाया जाए तो लाखों लीटर ईंधन बचाया जा सकता है। भारत जैसे विशाल देश में रोजाना करोड़ों लोग कार्यालयों के लिए यात्रा करते हैं। महानगरों में यातायात जाम के कारण भारी मात्रा में पेट्रोल और डीजल की खपत होती है। यदि कुछ संस्थान सप्ताह में 2 या 3 दिन घर से काम की व्यवस्था करें तो इससे ईंधन बचत के साथ प्रदूषण भी कम हो सकता है। इससे लोगों का समय और धन दोनों बचेंगे। महामारी के दौरान यह व्यवस्था सफल भी रही थी।

प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने की भी बात कही। भारत में पिछले कुछ वर्षों में मेट्रो रेल नेटवर्क का तेजी से विस्तार हुआ है। दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु, पटना और अन्य शहरों में मेट्रो सेवाएँ लाखों यात्रियों को सुविधा दे रही हैं। यदि निजी वाहनों के बजाय अधिक लोग मेट्रो और बसों का उपयोग करें तो इससे ईंधन की खपत में उल्लेखनीय कमी आ सकती है। इसके साथ ही प्रदूषण और सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी संभव है। उन्होंने किसानों से भी रासायनिक उर्वरकों के सीमित उपयोग और प्राकृतिक खेती की दिशा में बढ़ने का आग्रह किया। भारत बड़ी मात्रा में उर्वरकों के कच्चे पदार्थ भी आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय संकट के समय इनके दाम तेजी से बढ़ जाते हैं। यदि किसान जैविक और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ते हैं तो इससे विदेशी मुद्रा की बचत के साथ मिट्टी की गुणवत्ता भी बेहतर होगी। खाद्य तेल के सीमित उपयोग की सलाह भी इसी आर्थिक सोच का हिस्सा है। भारत दुनिया के सबसे बड़े खाद्य तेल आयातकों में शामिल है। पाम तेल और अन्य खाद्य तेलों के आयात पर देश को हर वर्ष अरबों डॉलर खर्च करने पड़ते हैं। यदि लोग स्वास्थ्य के साथ संयमित भोजन की आदत अपनाएँ तो इससे स्वास्थ्य लाभ के साथ विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी।

प्रधानमंत्री की अपील के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाएँ भी सामने आईं। विपक्ष ने इसे सरकार की विफलता बताया, जबकि समर्थकों ने इसे राष्ट्रीय जिम्मेदारी की भावना से जुड़ी अपील कहा। कुछ लोगों ने यह सवाल भी उठाया कि क्या केवल आम नागरिकों से ही त्याग की अपेक्षा की जानी चाहिए। सामाजिक माध्यमों पर इस विषय को लेकर व्यापक बहस देखने को मिली। हालाँकि इतिहास गवाह है कि संकट के समय देशों ने सामूहिक प्रयासों से कठिन परिस्थितियों का सामना किया है। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान कई देशों में ईंधन और आवश्यक वस्तुओं की बचत के लिए नागरिकों से अपील की गई थी। भारत में भी 1991 के आर्थिक संकट के दौरान विदेशी मुद्रा की स्थिति अत्यंत कमजोर हो गई थी। उस समय देश के पास केवल कुछ सप्ताह के आयात लायक विदेशी मुद्रा बची थी। बाद में आर्थिक सुधारों और अनुशासित नीतियों के कारण स्थिति में सुधार हुआ।

आज भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, लेकिन वैश्विक संकटों का प्रभाव पूरी तरह टाला नहीं जा सकता। यदि तेल की कीमतें लगातार बढ़ती हैं और वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होती है तो इसका असर भारत की विकास दर, महँगाई और रोजगार पर पड़ सकता है। ऐसे समय में नागरिकों की छोटी छोटी आदतें भी बड़े परिणाम दे सकती हैं। यह भी सच है कि केवल नागरिकों से अपील पर्याप्त नहीं होगी। सरकार को भी ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों, विद्युत वाहनों, सौर ऊर्जा, जैव ईंधन और सार्वजनिक परिवहन के विस्तार पर तेजी से काम करना होगा। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने सौर ऊर्जा उत्पादन और पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। यदि यह प्रयास और तेज हों तो भविष्य में आयातित तेल पर निर्भरता कम की जा सकती है।

भारत की अर्थव्यवस्था केवल सरकार की नीतियों से मजबूत नहीं होती, बल्कि नागरिकों की भागीदारी से भी मजबूत बनती है। जब लोग बिजली बचाते हैं, ईंधन की बचत करते हैं, घरेलू उत्पाद खरीदते हैं और अनावश्यक खर्च कम करते हैं, तब उसका सकारात्मक असर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। प्रधानमंत्री की अपील इसी सोच को सामने लाती है कि देशहित केवल सीमा पर खड़े सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की साझी जिम्मेदारी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि लोग इस विषय को केवल राजनीति के चश्मे से न देखें, बल्कि आर्थिक वास्तविकताओं को समझें। यदि वैश्विक संकट गहराता है तो उसका असर हर परिवार तक पहुँचेगा। ऐसे समय में संयम, बचत और जिम्मेदारी ही सबसे बड़ा समाधान बन सकते हैं। पेट्रोल की एक बूंद की बचत, सोने की एक खरीदारी को टालना और अनावश्यक यात्रा से बचना शायद व्यक्तिगत स्तर पर छोटा कदम लगे, लेकिन 146 करोड़ लोगों का यही छोटा प्रयास देश के लिए बड़ी ताकत बन सकता है।

**महेन्द्र तिवारी**

# सोच की दिशा बदलते ही बदल जाती है जिन्दगी

हमारे जीवन का सबसे बड़ा संघर्ष बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि अपने ही मन से होता है। यही मन हमें ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है और यही हमें असफलताओं के अंधेरे में भी धकेल सकता है। नकारात्मक मानसिकता और सकारात्मक मानसिकता के बीच की यह खींचतान दरअसल हर व्यक्ति के भीतर चलने वाली एक मौन जंग है, जिसका परिणाम ही उसके जीवन की दिशा तय करता है। आज की जेन जी पीढ़ी एक ऐसे दौर में जी रही है, जहां अवसरों की कमी नहीं है, लेकिन मानसिक दबाव पहले से कहीं अधिक है। सोशल मीडिया पर दूसरों की उपलब्धियों को देखकर स्वयं की तुलना करना, हर समय 'परफेक्ट' दिखने की होड़ और तुरंत सफलता पाने की बेचैनी युवाओं के भीतर नकारात्मकता को जन्म दे रही है। कई बार हम अपनी वास्तविक क्षमता को भूलकर केवल दूसरों की चमक से प्रभावित हो जाते हैं। यही वह क्षण होता है, जहां मन का रणक्षेत्र शुरू होता है। नकारात्मक सोच हमारी क्षमताओं पर सबसे बड़ा प्रहार करती है। यह हमें यह विश्वास दिलाती है कि कुछ नया करना कठिन है, असंभव है या पहले कभी नहीं हुआ, इसलिए आगे भी नहीं हो सकता। ऐसी सोच हमें प्रयास करने से पहले ही हार मानने पर मजबूर कर देती है। धीरे-धीरे यह मानसिकता हमारी आदत बन जाती है और हमें हर अवसर में भी बाधा ही दिखाई देता है। परिणामस्वरूप, हम अपनी संभावनाओं को स्वयं ही सीमित कर लेते हैं।

इतिहास इस बात का प्रमाण है कि महान व्यक्तित्वों ने सबसे पहले अपने मन को जीता, तभी वे दुनिया को प्रभावित कर सके। महात्मा गांधी ने जब सत्य और अहिंसा का मार्ग चुना, तब बहुत से लोगों ने इसे अव्यावहारिक माना था। लेकिन उनकी सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास ने एक विशाल साम्राज्य को चुनौती देने का साहस दिया। इसी प्रकार स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को यह संदेश दिया था कि मनुष्य अपने विचारों से निर्मित होता है। जैसा वह सोचता है, वैसा ही बन जाता है। उनका यह कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है, क्योंकि व्यक्ति की सोच ही उसके व्यक्तित्व की दिशा तय करती है। इसके विपरीत, सकारात्मक मानसिकता हम सभी को परिस्थितियों से ऊपर उठकर सोचने की प्रेरणा देती है। यह हमें विश्वास दिलाती है कि अगर मन में स्पष्ट उद्देश्य हो और उसे पाने की ठोस योजना बनाई जाए, तो कठिन से कठिन लक्ष्य भी हासिल किए जा सकते हैं। सकारात्मक सोच केवल कल्पना नहीं, बल्कि अनुशासन, निरंतरता और आत्मविश्वास का परिणाम होती है। यह व्यक्ति को अपने कार्यों के प्रति सजग बनाती है और उसे बहानों के जाल से दूर रखती है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं। साधारण परिवार से आने वाले कलाम साहब ने सीमित संसाधनों के बावजूद अपने सपनों को कभी छोटा नहीं होने दिया। यदि वे परिस्थितियों को देखकर निराश हो जाते, तो शायद भारत को 'मिसाइल मैन' और एक प्रेरणादायी राष्ट्रपति नहीं मिल पाता। उन्होंने हमेशा युवाओं को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए निरंतर मेहनत करने की प्रेरणा दी। उनका यह विश्वास कि 'सपने वो नहीं जो नींद में आते हैं, बल्कि सपने वो हैं जो आपको सोने न दें' सकारात्मक मानसिकता की सबसे बड़ी पहचान है।

दार्शनिक दृष्टि से देखें तो गौतम बुद्ध ने भी मन को ही सुख और दुःख का मूल कारण माना था। उनका कहना था कि मनुष्य जैसा सोचता है, वैसा ही उसका जीवन बनता जाता है। यदि मन में क्रोध, ईर्ष्या और भय भरे हों, तो जीवन अशांत हो जाता है, लेकिन यदि मन में धैर्य, करुणा और सकारात्मकता हो, तो वही जीवन संतुलित और आनंदपूर्ण बन सकता है। यही कारण है कि ध्यान और आत्मनियंत्रण को भारतीय दर्शन में अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। आज के समय में, जब प्रतिस्पर्धा तीव्र है और ध्यान भटकाने वाले साधन हर ओर मौजूद हैं, तब अपने मन को एक निश्चित दिशा में केंद्रित रखना और भी आवश्यक हो गया है। यदि व्यक्ति अपने विचारों को नियंत्रित नहीं करता, तो वही विचार उसे नियंत्रित करने लगते हैं।

# तमिलनाडु में उभरता 'थिंक टैंक शासन'- क्या बदलेगा लोकतंत्र का चेहरा?

**[तमिलनाडु में 'ब्रेन राज': क्या विजय ने सियासत का डीएनए बदल दिया?]**
**[भारत की राजनीति बदलने का ब्लूप्रिंट क्या तमिलनाडु से तैयार हो रहा है?]**

तमिलनाडु की राजनीति इस समय केवल सरकार बदलने की कहानी नहीं लिख रही, बल्कि राजनीतिक संस्कृति के पुनर्जन्म का दृश्य रच रही है। जातीय गणित, पारिवारिक विरासत और भावनात्मक नारों पर दशकों तक चलने वाली राजनीति के बीच अभिनेता से मुख्यमंत्री बने विजय ने ऐसा दांव चला है, जिसने देशभर का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। मुख्यमंत्री विजय सहित 10 सदस्यों वाला उनका शुरुआती कॉम्पैक्ट कैबिनेट आकार में छोटा जरूर है, लेकिन संदेश में बेहद विशाल दिखाई देता है। यहां कुर्सियों की संख्या कम है, पर योग्यता, शिक्षा, पेशेवर अनुभव और युवा सोच की चमक असाधारण है। यह कैबिनेट पारंपरिक सत्ता का चेहरा नहीं, बल्कि 'ब्रेन पावर' को शासन की सबसे बड़ी ताकत बनाने की नई राजनीतिक घोषणा प्रतीत होता है।

तमिलनाडु की नई सत्ता कहानी में सबसे प्रभावशाली चेहरा 29 वर्षीय एस. केरथना बनकर उभरी हैं, जिन्होंने मंत्री पद संभालते ही राजनीति में उम्र की पुरानी सीमाओं को चुनौती दे दी। शिवकासी (आतिशबाजी राजधानी) में साधारण पृष्ठभूमि से पहली महिला विधायक और मंत्री बनकर सत्ता के केंद्र तक पहुंचीं केरथना अब केवल युवा महिला मंत्री नहीं, बल्कि बदलते राजनीतिक दौर की पहचान बन चुकी हैं। तमिल माध्यम की सरकारी शिक्षा से गणित और सांख्यिकी में उच्च अध्ययन तक उनका सफर दिखाता है कि राजनीति अब केवल भाषणों का मंच नहीं, बल्कि आंकड़ों, समझ और सामाजिक संवेदनाओं का क्षेत्र भी बन रही है। आतिशबाजी उद्योग के मजदूरों, महिलाओं के समान वेतन और स्वास्थ्य मुद्दों पर उनका संघर्ष साबित करता है कि यह पीढ़ी सत्ता का सुख नहीं, समाज की आवाज बनना चाहती है।

विजय के 'ब्रेन कैबिनेट' को सबसे अधिक प्रशासनिक मजबूती पूर्व आईआरएस अधिकारी और डॉक्टर के.जी. अरुणराज की मौजूदगी देती है। टैक्स प्रशासन का वर्षों का अनुभव और चिकित्सा क्षेत्र की गहरी समझ उन्हें इस टीम का सबसे भरोसेमंद चेहरा बनाता है। उनका राजनीति में प्रवेश उस पुरानी धारणा को तोड़ता है, जिसमें योग्य प्रोफेशनल्स सत्ता से दूरी बनाए रखते थे। सुरक्षित सरकारी करियर छोड़कर अरुणराज ने संकेत दिया है कि राजनीति अब केवल वंशवाद का मंच नहीं, बल्कि गंभीर नीति निर्माण का केंद्र भी बन सकती है। उनकी मौजूदगी से वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और प्रशासनिक सुधारों की उम्मीदें स्वतः मजबूत दिखाई देती हैं।

विजय की राजनीतिक टीम पारंपरिक सत्ता ढांचे से अलग, योग्यता और निष्ठा पर आधारित नए राजनीतिक मॉडल की झलक देती है। टीवीके के 108 विधायकों में 6 पीएचडी धारक, 22 पोस्ट ग्रेजुएट, 5 आईआईटी इंजीनियर, 8 एमबीबीएस डॉक्टर और करीब 40 वकील-इंजीनियर शामिल हैं। कुल 67 विधायक ग्रेजुएट हैं। द्रविड़ पार्टियों की पारंपरिक राजनीति में ऐसे बड़े पैमाने पर शिक्षित प्रतिनिधित्व दुर्लभ रहा है। ये आंकड़े केवल डिग्रियों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि बदलती राजनीतिक सोच का संकेत हैं। विजय ने उस पुरानी धारणा को तोड़ा है कि शासन केवल राजनीतिक अनुभव से चलता है। उन्होंने साबित किया कि तकनीकी समझ, प्रशासनिक दृष्टि और डेटा-आधारित नीति ही आधुनिक सत्ता की असली ताकत हैं। यही कारण है कि उनका कैबिनेट पारंपरिक मंत्रिमंडल नहीं, बल्कि एक रणनीतिक 'थिंक टैंक' नजर आता है।

विजय सरकार की असली चुनौती अब भाषणों या डिग्रियों नहीं, बल्कि सत्ता संचालन की कठोर हकीकत से टकराने वाली है। चुनाव जीतना एक उपलब्धि हो सकती है, लेकिन बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट, उद्योग, कानून-व्यवस्था और सामाजिक संतुलन जैसे मोर्चों पर टिके रहना कहीं कठिन परीक्षा है। यहां केवल शिक्षा नहीं, अनुभव, राजनीतिक धैर्य और जमीनी समझ भी निर्णायक बनते हैं। विजय ने युवा प्रोफेशनल्स और अनुभवी नेताओं का संतुलन बनाकर नई कार्यशैली गढ़ने की कोशिश की है। छोटा कैबिनेट फैसलों को तेज बना सकता है, लेकिन सीमित अनुभव संकट में कमजोरी भी साबित हो सकता है। यही वजह है कि यह सरकार जितनी उम्मीदों का केंद्र है, उतनी ही तीखी निगाहों के घेरे में भी।

विजय की राजनीति का सबसे बड़ा संदेश यही है कि सत्ता अब केवल पारिवारिक दरबारों की विरासत नहीं रहनी चाहिए। उनकी टीम के अधिकांश चेहरे किसी राजनीतिक खानदान से नहीं, बल्कि अपनी मेहनत, शिक्षा और सामाजिक संघर्ष के दम पर उभरे हैं। यह बदलाव केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि युवाओं की सोच बदलने वाला भी है। इससे यह विश्वास मजबूत होगा कि राजनीति में जगह बनाने के लिए बड़े उपनाम या जातीय समीकरण अनिवार्य नहीं हैं। 'न्यू तमिलनाडु' की अवधारणा भी इसी सोच से जन्म लेती है, जहां सत्ता का आधार वंश नहीं, क्षमता बनती है। यदि यह प्रयोग सफल होता है, तो इसका प्रभाव केवल तमिलनाडु नहीं, पूरे भारतीय लोकतंत्र की दिशा पर पड़ सकता है।

विजय की राजनीति का मूल संदेश साफ है – सत्ता अब नारों और भावनात्मक लहरों से नहीं, परिणाम देने वाली सोच से चलेगी। हीटवेव, महिला सुरक्षा, ग्रामीण स्वास्थ्य, औद्योगिक सुरक्षा और रोजगार जैसे मुद्दे अब भीड़ को संबोधित करने नहीं, बल्कि विशेषज्ञ दृष्टि से समाधान मांगते हैं। केरथना जैसी युवा नेता जमीनी आकांक्षाओं की धड़कन समझती हैं, जबकि अरुणराज जैसे अधिकारी प्रशासन को पारदर्शिता और अनुशासन दे सकते हैं। यह कैबिनेट बताता है कि आधुनिक शासन अब केवल जनसभाओं की चमक नहीं, बल्कि समस्याओं के वैज्ञानिक समाधान की क्षमता है। यही वजह है कि विजय की टीम 'ब्रेन कैबिनेट' नहीं, नई राजनीतिक कार्यसंस्कृति का उभरता प्रतीक बनती जा रही है।

तमिलनाडु की राजनीति आज ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां पहली बार सत्ता का आधार जातीय समीकरणों और पारिवारिक विरासत से हटकर योग्यता, शिक्षा और प्रोफेशनल क्षमता को बनाया जा रहा है। विजय का 'ब्रेन कैबिनेट' सफल होगा या नहीं, इसका फैसला समय करेगा, लेकिन उन्होंने राजनीति की बहस की दिशा बदल दी है। अब सवाल केवल जाति, क्षेत्र या उपनाम का नहीं, बल्कि नेतृत्व की क्षमता, दृष्टि और परिणाम देने की ताकत का भी होगा। यदि शिक्षित और प्रोफेशनल नेतृत्व की यह टीम जनहित में ठोस बदलाव ला पाती है, तो तमिलनाडु भारतीय राजनीति को नया मॉडल दे सकता है। यह केवल सरकार नहीं, बल्कि उस नए दौर की शुरुआत है जहां सत्ता की सबसे बड़ी पहचान कुर्सी नहीं, क्षमता बनती है।

**प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'**

# प्रधानमंत्री की अपील का जनप्रतिनिधि भी करें पालन

पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध जैसे हालातों ने पूरी दुनिया को गहरे ऊर्जा संकट के मुहाने पर ला खड़ा किया है और इसका सीधा असर भारत सहित दुनिया के अनेक देशों पर पड़ रहा है। पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में लगातार वृद्धि के चलते खाद्य वस्तुओं से लेकर रोजमर्रा के उपयोग की चीजों तक सब कुछ महंगा होता जा रहा है। महंगाई की इस मार ने गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों का जीवन कठिन बना दिया है। भारत सरकार पिछले कई महीनों से हालात को नियंत्रित करने और जनता को राहत देने का प्रयास कर रही है, लेकिन वैश्विक परिस्थितियां लगातार चुनौतीपूर्ण होती जा रही हैं। भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है और आज भी यहां बड़ी संख्या में लोग सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं पर निर्भर हैं। देश अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग अस्सी प्रतिशत तेल और गैस खाड़ी देशों से आयात करता है। ऐसे में पश्चिम एशिया में पैदा हुआ संकट भारतीय अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव डालना स्वाभाविक है। देश को गंभीर ऊर्जा संकट से उभारने और विदेशी मुद्रा भंडार को बनाये रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना की धरती से देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने तथा विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखने के लिए एक वर्ष तक सोना नहीं खरीदने की अपील की है। देश का एक बड़ा वर्ग प्रधानमंत्री की बात पर विश्वास करता है और उनकी अपील का पालन करने को भी तैयार है। आम नागरिक ईंधन की बचत और अनावश्यक खर्चों में कटौती के माध्यम से राष्ट्रहित में योगदान देना चाहते हैं। लेकिन अब समय आ गया है कि देश के जनप्रतिनिधि भी जनता के सामने उदाहरण प्रस्तुत करें। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्रियों जैसे संवैधानिक पदों को छोड़ दिया जाए, तो पंचायत से लेकर विधानसभा और लोकसभा तक के निर्वाचित और मनोनीत जनप्रतिनिधियों, मंत्रियों और राजनीतिक दलों के नेताओं को अपने लंबे-चौड़े काफिलों और दिखावटी शक्ति प्रदर्शन पर अंकुश लगाना चाहिए। विडंबना यह है कि आज राजनीति में छोटे से छोटे पदाधिकारी भी दर्जनों महंगी गाड़ियों के काफिले के साथ पदभार ग्रहण करने पहुंचते हैं। कई बार मंत्रियों और नेताओं के काफिले इतने बड़े दिखाई देते हैं कि प्रधानमंत्री का काफिला भी छोटा प्रतीत होता है। वास्तविकता यह है कि नेताओं के दौरों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था से अधिक ईंधन की खपत कार्यकर्ताओं और समर्थकों के अनावश्यक वाहनों से होती है। वैश्विक ऊर्जा संकट के इस दौर में सभी राजनीतिक दलों को अपने कार्यक्रमों में वाहनों की संख्या की एक स्पष्ट सीमा तय करनी चाहिए। साथ ही शासन-प्रशासन में भी आवश्यक पदों को छोड़कर सरकारी वाहनों के उपयोग पर नियंत्रण जरूरी है। तभी बड़े पैमाने पर तेल और गैस की वास्तविक बचत संभव हो सकेगी। आज आवश्यकता केवल अपीलों की नहीं, बल्कि अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करने की है। यदि आम जनता राष्ट्रहित में त्याग करने को तैयार है, तो राजनीति से जुड़े लोगों को भी दलगत हितों से ऊपर उठकर जिम्मेदारी निभानी होगी। वैश्विक ऊर्जा संकट के इस कठिन दौर में प्रधानमंत्री की अपील का ईमानदारी से पालन कर जनप्रतिनिधियों को भी देश को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

**अरविंद रावल**

**मेष-** आज आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। नौकरी और व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। परिवार में किसी शुभ समाचार से खुशी का माहौल रहेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें। **शुभ रंग:** लाल **शुभ अंक:** 9

**वृषभ-**धैर्य और समझदारी से काम लेने का दिन है। रुका हुआ धन मिलने की संभावना है। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। सेहत को लेकर लापरवाही न करें। **शुभ रंग:** सफेद **शुभ अंक:** 6

**मिथुन-**कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा की सराहना होगी। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। यात्रा के योग बन सकते हैं। **शुभ रंग:** हरा **शुभ अंक:** 5

**कर्क-** भावनाओं में बहकर निर्णय न लें। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। **शुभ रंग:** सिल्वर **शुभ अंक:** 2

**सिंह-**आज मान-सम्मान में वृद्धि होगी। नौकरी में पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में लाभ के संकेत हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ अंक:** 1

**कन्या-**कामकाज में व्यस्तता अधिक रहेगी लेकिन मेहनत सफल होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी पुराने विवाद का समाधान निकल सकता है। **शुभ रंग:** नीला **शुभ अंक:** 7

**तुला-** आज का दिन संतुलन बनाए रखने का है। प्रेम जीवन अच्छा रहेगा। कला और रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। धन लाभ के योग हैं। **शुभ रंग:** गुलाबी **शुभ अंक:** 6

**वृश्चिक-** गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। कार्यक्षेत्र में सतर्कता जरूरी है। परिवार का सहयोग मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। **शुभ रंग:** मैरून **शुभ अंक:** 8

**धनु-** भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी और व्यापार में प्रगति के योग हैं। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिल सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। **शुभ रंग:** पीला **शुभ** अंक: 3

**मकर-** आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति बनी रहेगी। **शुभ रंग:** ग्रे **शुभ अंक:** 4

**कुंभ-** नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। दोस्तों के साथ अच्छा समय बीतेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ** अंक: 11

**मीन-** आज मन आध्यात्मिक कार्यों में लगेगा। आर्थिक लाभ के संकेत हैं। परिवार में खुशहाली रहेगी। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ अंक:** 12

# विकासशील देशों के लिए आर्थिक तथा ऊर्जा आपातकाल की प्रासंगिकता

**(अमेरिका-ईरान वॉर)**

विश्व राजनीति में जब भी पश्चिम एशिया अर्थात मध्यपूर्व में तनाव बढ़ता है, उसका सबसे अधिक प्रभाव विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। वर्तमान समय में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल दो देशों का राजनीतिक विवाद नहीं है, बल्कि यह वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा, तेल बाजार, महंगाई और आर्थिक स्थिरता से जुड़ा हुआ विषय बन चुका है। यदि यह तनाव युद्ध का रूप लेता है, तो विकासशील देशों के सामने आर्थिक तथा ऊर्जा आपातकाल जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल तथा अफ्रीका और एशिया के अनेक देश अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए बड़े पैमाने पर खाड़ी देशों पर निर्भर हैं। ऐसे में अमेरिका ईरान संघर्ष सीधे तौर पर तेल की कीमतों, विदेशी मुद्रा भंडार और आम जनता के जीवन को प्रभावित करता है।

ईरान विश्व के सबसे बड़े तेल और प्राकृतिक गैस भंडार वाले देशों में गिना जाता है। यह देश होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट स्थित है, जहां से दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल टैंकर गुजरते हैं। यदि युद्ध या सैन्य तनाव के कारण इस मार्ग में बाधा आती है, तो पूरी दुनिया में तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों और क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर तनाव बना हुआ है। कई बार अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ईरान का तेल निर्यात प्रभावित हुआ, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ीं।।विकासशील देशों पर जिसका सीधा प्रभाव पढ़ने लगता है।

ऊर्जा किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की धड़कन होती है। उद्योग, परिवहन, कृषि, बिजली उत्पादन और संचार सभी ऊर्जा पर आधारित हैं। जब तेल महंगा होता है तो हर वस्तु की कीमत बढ़ने लगती है।

भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता देश है और अपनी आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। यदि अमेरिका ईरान युद्ध के कारण तेल कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंचती हैं, तो भारत जैसे देशों के लिए स्थिति गंभीर हो सकती है। भारत प्रतिदिन लगभग 50 लाख बैरल से अधिक तेल की खपत करता है। देश अपनी गैस आवश्यकता का लगभग 50 प्रतिशत आयात करता है। भारत हर वर्ष लगभग 700 से 900 टन सोना आयात करता है, जिस पर 40 से 50 अरब डॉलर तक खर्च होते हैं।

पेट्रोलियम आयात पर भारत का वार्षिक खर्च कई बार 150 अरब डॉलर से अधिक पहुंच जाता है।यदि युद्ध के कारण तेल महंगा हो जाए तो विदेशी मुद्रा भंडार पर भारी दबाव पड़ता है। इससे रुपये की कीमत गिरती है और महंगाई बढ़ती है। अमेरिका-ईरान युद्ध का सबसे बड़ा प्रभाव आम लोगों पर पड़ता है। पेट्रोल और डीजल महंगे होते ही परिवहन खर्च बढ़ जाता है। खाद्यान्न और सब्जियों की कीमतें बढ़ जाती हैं,बिजली उत्पादन महंगा हो जाता है,उद्योगों की लागत बढ़ती है बेरोजगारी और आर्थिक मंदी का खतरा बढ़ जाता है।

विकासशील देशों में पहले से ही बड़ी आबादी गरीबी और सीमित आय में जीवन बिताती है। ऐसे में ऊर्जा संकट सामाजिक असंतोष भी पैदा कर सकता है।।ऐसी परिस्थितियों में विकासशील देशों को ऊर्जा और आर्थिक आपातकाल जैसी रणनीतिक तैयारी करनी पड़ती है। इसका उद्देश्य जनता को घबराना नहीं बल्कि संसाधनों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित करना होता है।अनावश्यक बिजली और ईंधन की खपत रोकना अत्यंत आवश्यक है। सरकारों को ऊर्जा बचत अभियान चलाने चाहिए।।सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जैव ईंधन और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना समय की मांग है। भारत ने सौर ऊर्जा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, किंतु अभी भी जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता अधिक है। युद्ध या संकट के समय उपयोग के लिए तेल का सुरक्षित भंडारण आवश्यक है। भारत ने कुछ रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार बनाए हैं, पर भविष्य में इन्हें और बढ़ाने की आवश्यकता है। जब विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ता है तब अनावश्यक स्वर्ण आयात आर्थिक संकट को और बढ़ाता है। इसलिए सरकारें कई बार सोने पर आयात शुल्क बढ़ाती हैं।

**वैश्विक राजनीति और ऊर्जा युद्ध**

आज दुनिया में युद्ध केवल सीमाओं के लिए नहीं बल्कि ऊर्जा संसाधनों और आर्थिक प्रभुत्व के लिए भी लड़े जाते हैं। मध्य-पूर्व में होने वाला कोई भी संघर्ष पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है।

रूस,यूक्रेन युद्ध के दौरान भी विश्व ने देखा कि गैस और तेल संकट ने यूरोप सहित अनेक देशों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया। उसी प्रकार अमेरिका-ईरान संघर्ष वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर सकता है।

**भारत जैसे देशों के लिए रास्ता**

भारत सहित विकासशील देशों को अब दीर्घकालिक ऊर्जा नीति बनानी होगी नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश,इलेक्ट्रिक परिवहन व्यवस्था,घरेलू उत्पादन को बढ़ावा,ऊर्जा बचत तकनीक,विदेशी निर्भरता कम करना और।आत्मनिर्भर उद्योग नीति अपनाना।

यदि ये कदम समय रहते नहीं उठाए गए तो भविष्य में ऊर्जा संकट और आर्थिक अस्थिरता बड़ी चुनौती बन सकती है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल राजनीतिक विषय नहीं बल्कि वैश्विक आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा का प्रश्न है। विकासशील देशों के लिए यह चेतावनी है कि वे आयात आधारित अर्थव्यवस्था से बाहर निकलकर आत्मनिर्भर ऊर्जा व्यवस्था विकसित करें। ऊर्जा बचत, नवीकरणीय ऊर्जा, रणनीतिक भंडारण और संतुलित आर्थिक नीति ही आने वाले समय में देशों को सुरक्षित रख सकती है। अन्यथा युद्ध चाहे कहीं भी हो, उसका बोझ अंततः गरीब और विकासशील देशों की जनता को ही उठाना पड़ता है।

**संजीव ठाकुर**

**स्वामी-** स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

## संक्षिप्त खबरें

### ज्येष्ठ के दूसरे मंगलवार पर हनुमान मंदिरों में उमड़ी श्रद्धा

**लालगंज (रायबरेली)।** ज्येष्ठ माह के दूसरे मंगलवार को क्षेत्र के विभिन्न हनुमान मंदिरों में श्रद्धा और भक्ति का माहौल दिखाई दिया। मंदिरों में भक्तों ने पूजा अर्चना की और कई स्थानों पर भंडारों का आयोजन हुआ। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। कस्बे के बेहटा चौराहा में भंडारे का आयोजन हुआ। वहीं भीरा गोविंदपुर स्थित प्रसिद्ध बूढ़े बाबा मंदिर परिसर में सुंदरकांड पाठ के बाद विशाल भंडारा कराया गया। धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम की शुरुआत विधि विधान से सुंदरकांड पाठ के साथ हुई। श्रद्धालुओं ने भगवान हनुमान जी की आराधना कर सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पाठ समाप्त होने के बाद भंडारे का शुभारंभ किया गया। भंडारे में श्रद्धालुओं को छोला, चावल, पूड़ी, सब्जी, हलवा और चना-गुड़ का प्रसाद वितरित किया गया। आयोजक अजय पांडेय ने बताया कि ज्येष्ठ माह के मंगलवार का विशेष धार्मिक महत्व होता है। इसी भावना के साथ सुंदरकांड पाठ और भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर आलोक पांडेय, श्याम बिहारी त्रिवेदी, अर्पण सिंह, राम प्रताप सिंह, रत्नेश तिवारी, गुड्डु तिवारी, शशिकांत त्रिपाठी, शेखर पांडेय, भानु शुक्ला, मोहन तिवारी और सुरेंद्र दुबे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

# जल जीवन मिशन की टंकियां बनी शोपीस, चार साल बाद भी नहीं पहुंचा घरों तक पानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**मोहम्मदी खीरी।** सरकार की महत्वाकांक्षी 'हर घर जल' योजना मोहम्मदी तहसील क्षेत्र के कई गांवों में दम तोड़ती नजर आ रही है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद ग्रामीणों को आज तक नलों से पानी नसीब नहीं हुआ। कहीं एक साल पहले तो कहीं चार साल पहले पाइपलाइन और कनेक्शन दिए गए, लेकिन घरों तक जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी। गांवों में घरों के बाहर लगी टोटियां अब केवल शोपीस बनकर रह गई हैं। भीषण गर्मी में ग्रामीण आज भी हैंडपंप और दूसरे साधनों से पानी भरने को मजबूर हैं। इससे लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। मोहम्मदी विकासखंड की ग्राम पंचायत पड़सर के मजरा गेहुआ नवाबी निवासी छोटेलाल, ऋषि कुमार, राजकुमार, महेश कुमार और सर्वेश ने बताया कि घरों में टोटियां लगाए जाने के बाद भी पानी नहीं आ रहा है। लोगों को दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है, जिससे महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं ग्राम पंचायत मुकुंदपुर सहजनिया के ग्रामीणों का आरोप है कि जल जीवन मिशन की टंकी पिछले चार वर्षों से निर्माणाधीन पड़ी है। पाइपलाइन और टोटियां तो लगा दी गई, लेकिन जलापूर्ति आज तक शुरू नहीं हुई।

ग्रामीणों का कहना है कि योजना के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गई और काम अधूरा छोड़ दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला। लोगों का कहना है कि सरकार की 'हर घर जल' योजना कागजों में सफल दिखाई जा रही है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही है। इस संबंध में जल जीवन मिशन के एक्सईएन मनोज कुमार मौर्य ने बताया कि जहां टंकियां चालू हैं लेकिन पानी घरों तक नहीं पहुंच रहा, वहां टीम भेजकर समस्या का समाधान कराया जाएगा। जिन गांवों में टंकी निर्माणाधीन है, वहां जल्द कार्य पूरा कर जलापूर्ति शुरू कराई जाएगी। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और शासन से मांग की है कि मोहम्मदी तहसील क्षेत्र में जल जीवन मिशन की वास्तविक स्थिति की जांच कराई जाए और लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करते हुए जल्द हर घर तक पानी पहुंचाया जाए।

### यूपी में अब नक्शा पास कराने के लिए नहीं लगाने पड़ेंगे जिला पंचायतों के चक्कर

**लखनऊ।** जिला पंचायतों से मकान, दुकान आदि का नक्शा स्वीकृत कराने के लिए लोगों को अब अनावश्यक भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी। लोग नक्शा स्वीकृति के लिए विभाग के ऑनलाइन रेवेन्यू मैनेजमेंट सिस्टम (ओआरएमएस) पोर्टल पर कर सकते हैं। इस पोर्टल के माध्यम से करदाता अपने करों की अदायगी भी आनलाइन कर सकेंगे। पंचायती राज विभाग ने जिला पंचायतों से संबंधित समस्त लेन-देन, नोटिस, आरसी आदि कार्य भी पोर्टल के माध्यम से किए जाने का निर्देश दिए हैं। नक्शा स्वीकृति व करों की अदायगी के लिए ऑनलाइन सेवा का उद्घाटन जल्द ही विभागीय मंत्री से कराने की तैयारी है। प्रमुख सचिव पंचायती राज अनिल कुमार ने बताया है कि नक्शा स्वीकृति, करों की अदायगी जैसी सुविधाएं पोर्टल पर मिलने से लोगों को अनावश्यक भागदौड़ नहीं करनी होगी। इस व्यवस्था से जिला पंचायतों की कमाई बढ़ेगी और वे आत्मनिर्भर बनेंगी। इससे जिला पंचायतों के कामकाज में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। उप निदेशक स्वाति गुप्ता ने बताया है कि ओआरएमएस पोर्टल के माध्यम से ही अब जिला पंचायतों के समस्त कामकाज होंगे। सौ प्रतिशत काम पोर्टल के माध्यम से किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

## मोटर साइकिल और ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर दो लोगों की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**मिश्रित सीतापुर/** कोतवाली मिश्रित के सीतापुर हरदोई मार्ग पर ग्राम करमसेपुर के आगे स्थित सौंरी पुलिया पर आज 2:00 बजे के लग भग ट्रैक्टर और मोटर साइकिल में जोरदार टक्कर हो गई जिसमें ट्रैक्टर चालक और मोटर साइकिल चालक की मौत हो गई है । तथा दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं । जिनको सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिश्रित में भर्ती कराया गया है । मिली जानकारी के अनुसार थाना इमलिया सुल्तानपुर के ग्राम नटौरा निवासी कपिल पुत्र रामकिशोर उम्र 22 वर्ष अपने साथी मोहित पुत्र श्रीकेशन के साथ कल ग्राम टिकरा मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे । आज 2:00 बजे के लग भग वह टिकरा से अपने गांव नटौरा जा रहे थे । तभी सीतापुर हरदोई मार्ग पर स्थित सौंरी पुलिया के पास बरमी की ओर से आ रहे स्वराज ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर हो गई । जिससे ट्रैक्टर चालक मोहित पुत्र सुरेश कुमार उम्र 18 वर्ष तथा मोटर साइकिल चालक कपिल पुत्र रामकिशोर उम्र 22 वर्ष की मौके पर मौत हो गई है । उनके साथी मोहित पुत्र श्रीकेशन निवासी नटौरा तथा अर्जुन पुत्र सीताराम उम्र 20 निवासी बरमी गंभीर रूप से घायल हो गए है । जिन्हे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिश्रित में भर्ती कराया गया है । घटना की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस उन्हे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाई जहां पर चिकित्सकों ने मोटर साइकिल चालक कपिल पुत्र राम किशोर निवासी नटौरा व ट्रैक्टर चालक मोहित पुत्र सुरेश कुमार निवासी बरमी को मृत घोषित कर दिया । कोतवाली पुलिस ने दोनों मृतको के शव का पंचनामा भराकर पोस्ट मार्टम हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया है । तथा दोनों घायलो का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिश्रित में जारी है। मोटर साइकिल सवार यातायात नियमों को दरकिनार कर हेलमिट नही लगाए थे । कास हेलमिट लगा रखा होता तो सायद सर में इतनी चोट नही आती और जान भी बच जाती।

## नीट यूजी 2026 परीक्षा रद्द, दोबारा होगी परीक्षा

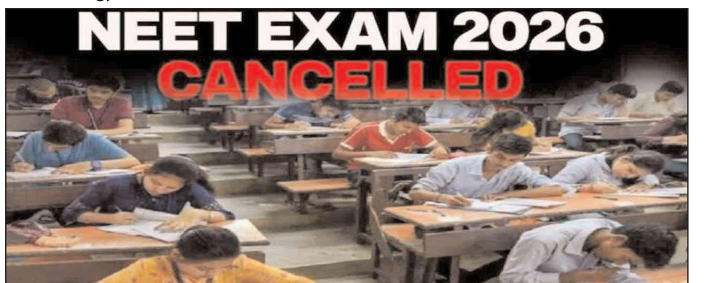


स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**नई दिल्ली,** 12 मई 2026: राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) ने नीट (G) 2026 परीक्षा रद्द कर दी है। 3 मई 2026 को आयोजित हुई इस परीक्षा को अब दोबारा कराया जाएगा। नई परीक्षा की तिथियां जल्द ही अलग से घोषित की जाएंगी। NTA ने सरकार की मंजूरी के बाद यह फैसला लिया है। केंद्रीय एजेंसियों और कानून प्रवर्तन संस्थाओं की जांच रिपोर्ट के आधार पर परीक्षा रद्द करने का निर्णय लिया गया। NTA ने मामले की विस्तृत जांच के लिए CBI को सौंप दिया है। NTA के अनुसार, पुरानी रजिस्ट्रेशन, उम्मीदवारों का डेटा और परीक्षा केंद्रों का चुनाव नई परीक्षा के लिए मान्य रहेगा।

कोई नई रजिस्ट्रेशन या अतिरिक्त फीस नहीं लगेगी। पहले जमा की गई फीस भी वापस कर दी जाएगी। छात्रों और अभिभावकों से अपील की गई है कि वे केवल हज्ञ की आधिकारिक वेबसाइट और नोटिफिकेशन पर ही भरोसा करें, सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों से बचें। यह फैसला परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए लिया गया है।

### खादी ग्रामोद्योग फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलीप श्रीवास्तव की उपस्थिति में प्रबंध कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ में आज दिनांक 11.05.2026 को खादी ग्रामोद्योग फाउंडेशन के तत्वाधान में फाउंडेशन के चेयरमेन के निर्देशानुसार व राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलीप श्रीवास्तव की उपस्तिथि में आज प्रबंध कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। जिसमें सचिव के पद पर विवेक सिंह पुत्र हंस राज, वैभव कुमार यादव पुत्र संतोष कुमार को निदेशक के पद पर, प्रवीण कुमार पुत्र बसव राज बस्ते को विशेष सचिव के पद पर, सचिन कुमार पुत्र लखपथ सिंह को समीक्षा अधिकारी के पद पर, मुकेश कुमार पुत्र विश्राम को राज्य निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया।

फाउंडेशन के अध्यक्ष ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए बोले की हम सभी को समाज हीत में समाज के निरंतर कार्य करना होगा जिससे भारत देश के सभी सम्मानित जन मानस जागरूक हो।

## मंडी समिति परिसर के जंगल में भीषण आग,व्यापरियों मे मची अफरातफरी

● मंडी में पीने के पानी का संकट तो आग कैसे बुझाएं, व्यापारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लालगंज (रायबरेली)।** गांधी चौराहे के नवीन कृषि मंडी परिसर के पास मंगलवार दोपहर अचानक भीषण आग लग गई। आग से करीब तीन बीघा क्षेत्र में फैले बाबुल के पेड़ और जंगली झाड़ियां जलकर नष्ट हो गई।गनीमत रही कि आग वेयरहाउस तक नहीं पहुंची। समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। वरना बड़ा हादसा हो सकता था। मंडी परिसर में फल की दुकानों के पीछे घना जंगल और झाड़ियां हैं। दोपहर करीब एक बजे वहां से धुआं उठता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे इलाके में फैल गई। मंडी में मौजूद व्यापारियों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों ने आग बुझाने का काम शुरू किया। करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। मंडी में काम करने वाली कुशमा ने बताया कि वह दोपहर का नाश्ता कर रही थी। तभी शोर सुनाई दिया। पीछे जाकर देखा तो आग तेजी से फैल रही थी। वहीं पल्लवी ने बताया कि आग की लपटें देखकर लोग घबरा गए थे। उन्हें डर लगने लगा था कि कहीं आग मंडी तक न पहुंच जाए। घटना के बाद मंडी व्यापारियों ने पानी की व्यवस्था पर नाराजगी जताई। व्यापारी मनोज सिंह ने कहा कि मंडी में पहले से पीने के पानी का संकट है। ऐसे में आग बुझाने के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था भी नहीं है। फायर स्टेशन प्रभारी मुकेश गिरी ने बताया कि आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

### एसडीएम राखी वर्मा ने पूजा अर्चना,आरती एवं प्रसाद वितरण कर किया भंडारे का शुभारंभ

बिसवा बार एसोसिएशन ने बड़े मंगलवार पर आयोजित किया भंडारा

**बिसवां ( सीतापुर )**-बिसवा बार एसोसिएशन बिसवा के तत्वावधान में ज्येष्ठ माह के द्वितीय बड़े मंगलवार के अवसर पर तहसील परिसर स्थित बार सभागार प्रांगण में भंडारे का आयोजन किया गया। उपजिलाधिकारी राखी वर्मा ने पवनसुत हनुमानजी की विधिवत माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर पूजा अर्चना, आरती की। उपजिलाधिकारी राखी वर्मा ने सभी को अपने हाथों से प्रसाद वितरित किया। बिसवा बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित भंडारे में तहसीलदार बिसवा अनिल कुमार राम,लेखपाल नीलेश यादव,एल्डर्स कमेटी चेयरमेन ब्रजेश नारायण गुप्ता,वरिष्ठ अधिवक्ता आर एन सिंह, निवर्तमान बार संघ अध्यक्ष दिनेश कुमार श्रीवास्तव, अशोक पुष्प,अशोक वर्मा, कैलाश नाथ श्रीवास्तव,बार संघ अध्यक्ष राज किशोर यादव,सचिव नीरज कुमार श्रीवास्तव,वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष कठेरिया, उपाध्यक्ष इंतिखाब आलम सिद्दीकी, प्रमोद श्रीवास्तव,सूर्य प्रसाद यादव,राजेश कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष अनमोल कन्हैया, ज्येष्ठ उपाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव,प्रमोद यादव,जितेन्द्र मिश्रा,विपिन कुमार यादव,राम किशोर वर्मा,अश्विनी श्रीवास्तव,नावेद सिद्दीकी,रेनू राजपूत,सिराज अहमद,के के वैश्य,शिशुपाल यादव,प्रदीप विश्वकर्मा,सर्वेश मोहन श्रीवास्तव,कमल मनोरम वर्मा,राहुल कुमार,प्रदीप गौतम,फूलचंद्र भार्गव, समाजसेवी विवेक पांडेय सहित काफ़ी संख्या में बिसवा बार एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

## जेष्ठ माह के दूसरे बड़े मंगल पर हनुमान गढ़ी मंदिर में भव्य धार्मिक आयोजन

● विशाल भंडारे में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**महराजगंज, रायबरेली।** रायबरेली रोड स्थित हनुमान गढ़ी मंदिर परिसर में ज्येष्ठ माह के दूसरे बड़े मंगलवार पर भव्य धार्मिक आयोजन व हवन पूजन के साथ विशाल भंडारे का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संयोजन अदिति गैस एजेंसी प्रबंधक डॉ. महेंद्र सिंह के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रीय गणमान्य लोगों की सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत सुंदरकाण्ड पाठ से हुई, जिसके पश्चात हवन-पूजन एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का शुभारंभ किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला और गगन भेदी जय श्रीराम व बजरंगबली के जयकारों से माहौल गुंजायमान रहा। इस अवसर पर डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि बड़े मंगल का पर्व सेवा, समर्पण और आस्था का प्रतीक है। ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में एकता, भाईचारा और सद्भाव का संदेश प्रसारित होता है। उन्होंने आयोजन समिति एवं सहयोगियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रभात साहू ने कहा कि हनुमान जी की कृपा से ही इस प्रकार के सेवा कार्य निरंतर संपन्न हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बड़े मंगल पर भंडारा आयोजित करना केवल परंपरा नहीं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम भी है। उन्होंने लोगों से सेवा भाव बनाए रखने और सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में लक्ष्मी शंकर श्रीवास्तव, सुनील कुमार शर्मा, ज्ञानप्रकाश जायसवाल, नामित सभासद सूर्य प्रकाश वर्मा, विजय धीमान, धनश्याम चौरसिया, दयाशंकर सिंह, भाजपा नेता अवधेश मिश्रा, अशोक वर्मा, अनुराग अग्रहरी अभिषेक पाण्डेय, राजू मौर्य, शिवशरन साहू, सुधीर साहू सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान हनुमान भक्तों ने सेवा भाव से व्यवस्थाएं संभालीं तथा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण में सक्रिय भूमिका निभाई।

## ससुराल की प्रताड़ना से तंग आकर विवाहिता ने खाया जहर

● पति समेत चार पर मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**चंदापुर/ रायबरेली।** क्षेत्र के ग्राम ओलीपुर मजरे समरहदा में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में जहर खाने से मौत के मामले में पुलिस ने पति समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मृतका के पिता ने ससुराल पक्ष पर कई वर्षों से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। मिली जानकारी के अनुसार, थाना मिलएरिया क्षेत्र के ग्राम पूरे लोखड़िया मजरे मेंबीबीपुर निवासी रामअधार पुत्र रामफेर ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि उनकी पुत्री प्रीती को उसके ससुरालीजन पिछले 5-6 वर्षों से लगातार मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। प्रताड़ना से परेशान होकर प्रीती ने बीती 7 मई 2026 की रात लगभग 10 बजे जहर खा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मु0अ0सं0 0031/2026 के तहत धारा 85/108 बीएनएस में मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस मामले में अखिलेश पुत्र रामबहादुर (पति), रामबहादुर पुत्र बृजलाल (ससुर), शांति पत्नी रामबहादुर (सास) तथा कमलेश पुत्र रामबहादुर (देवर) निवासी ग्राम ओलीपुर मजरे समरहदा थाना चंदापुर जनपद रायबरेली को नामजद किया गया है। कोतवाली प्रभारी चंदापुर अरविंद सिंह का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

### पत्नी पर ब्लेड से हमला करने वाला पति दोषी करार

**भदोही।** थाना ज्ञानपुर क्षेत्र में पत्नी के गले पर ब्लेड से हमला करने के मामले में न्यायालय ने आरोपी पति को दोषी ठहराते हुए 6 माह के साधारण कारावास एवं 1000 रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। अर्थदण्ड जमा न करने पर आरोपी को 15 दिन का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। मामला वर्ष 2013 का है। अभियोजन के अनुसार जलालपुर निवासी पप्पू पुत्र रामकिशोर ने आपसी विवाद के दौरान अपनी पत्नी के गले में ब्लेड मारकर घायल कर दिया था। इस संबंध में थाना ज्ञानपुर में धारा 324 आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन कन्विक्शन' अभियान के तहत स्थानीय पुलिस, मॉनिटरिंग सेल एवं एपीओ वीरेन्द्र वर्मा की प्रभावी पैरवी के आधार पर अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ज्ञानपुर हरकिरन कौर की अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए सजा दी।

### 46 साल पुराने हत्या मामले में पूर्व विधायक विजय मिश्रा दोषी करार

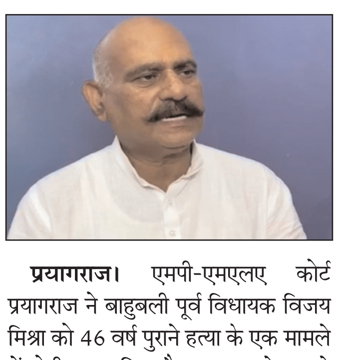

**प्रयागराज।** एमपी-एमएलए कोर्ट प्रयागराज ने बाहुबली पूर्व विधायक विजय मिश्रा को 46 वर्ष पुराने हत्या के एक मामले में दोषी करार दिया है। अदालत ने मामले में सुनवाई पूरी करने के बाद पूर्व विधायक विजय मिश्रा समेत चार आरोपियों को दोषी माना है। फैसले के बाद राजनीतिक और कानूनी गलियारों में इस मामले की व्यापक चर्चा शुरू हो गई है। एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार तृतीय ने सुनवाई के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों, गवाहों के बयान और केस डायरी का अवलोकन करने के बाद पूर्व विधायक विजय मिश्रा, जीत नारायण, संतराम और बलराम को दोषी ठहराया। अदालत द्वारा दोष सिद्ध किए जाने के बाद अब सभी आरोपियों की सजा पर सुनवाई की जाएगी।

### लखनऊ में कचहरी रोड पर अवैध कब्जों पर चलेगा नगर निगम का बुलडोजर, कोर्ट के आदेश पर होगा एक्शन

**लखनऊ।** वकीलों के संभावित विरोध और कार्यदिवस होने के कारण कचहरी रोड से अवैध कब्जों को हटाने के 12 मई के अभियान को स्थगित कर दिया गया है। अब रविवार 17 मई को अवैध कब्जों को हटाया जाएगा। इससे पहले 23 अप्रैल को अतिक्रमण हटाया जाना था, लेकिन पुलिस बल उपलब्ध न होने से नगर निगम ने कार्रवाई को टाल दिया था। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजीव भारती की पीठ ने अधिवक्ता अनुराधा सिंह, अधिवक्ता देवांशी श्रीवास्तव और देवांशी की माता अरूणिमा श्रीवास्तव की तरफ से दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान अवैध कब्जों को हटाने का आदेश पारित किया था। कोर्ट ने 25 मई को कार्रवाई से जुड़ी रिपोर्ट भी तलब की है। दरअसल, इसमें अधिकांश चैंबर वकीलों के हैं। नगर निगम ने कोर्ट के आदेश पर छह अप्रैल को 72 अवैध कब्जेदारों के यहां नोटिस चस्पा की थी। सोमवार रात को नगर निगम के जोनल अधिकारी एक ओमप्रकाश की तरफ से अवैध दुकानों और चैंबरों पर नई नोटिस चस्पा की गई है। इसमें 16 मई तक अवैध कब्जों को खुद से हटाने को कहा गया है। ऐसा न होने से 17 मई को सुबह दस बजे से अतिक्रमण हटाने के साथ ही उस पर होने वाले खर्च की वसूली भी की जाएगी।

## युवक ने चलती ट्रेन से बुजुर्ग को फेंका

● रातभर 16 KM तक चला सर्च ऑपरेशन; सुबह ट्रैक किनारे मिला शव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**निगोहां।** ट्रेन में सफर कर रहे एक बुजुर्ग को सिरफिरे युवक ने चलती ट्रेन से नीचे फेंक दिया, जिससे उनकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना निगोहां रेलवे स्टेशन के पास सोमवार रात करीब 10 बजे की है। सूचना मिलते ही जीआरपी और स्थानीय पुलिस ने रातभर रेलवे ट्रैक पर करीब 16 किलोमीटर तक सर्च अभियान चलाया। मंगलवार सुबह रेलवे ट्रैक किनारे बुजुर्ग का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान भदोही जनपद के सुरियावां थाना क्षेत्र स्थित भीखनपुर गांव निवासी रामशिरोमणि बिंद (64) के रूप में हुई। वह अपने साथी रमाकांत के साथ इंटरसिटी ट्रेन से भदोही से लखनऊ आ रहे थे। सफर के दौरान एक सिरफिरे युवक ने पहले उनका बैग ट्रेन से बाहर फेंक दिया और फिर उन्हें भी धक्का देकर नीचे गिरा दिया। घटना के बाद डिब्बे में अफरा-तफरी मच गई। मृतक के बेटे दीपक के मुताबिक, उनके पिता शौचालय गए थे। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर साथी रमाकांत उन्हें तलाशने निकले। यात्रियों से पूछताछ में पता चला कि एक युवक ने किसी यात्री को ट्रेन से फेंक दिया है। इसके बाद मामले की जानकारी चारबाग स्टेशन पहुंचने पर जीआरपी को दी गई। सूचना मिलते ही जीआरपी और निगोहां पुलिस ने संयुक्त रूप से रेलवे ट्रैक पर तलाश अभियान शुरू किया। रातभर चले सर्च ऑपरेशन के बाद मंगलवार सुबह करीब पांच बजे नगराम मोड़ रेलवे क्रॉसिंग के पास ट्रैक किनारे शव पड़ा मिला। जीआरपी निगोहां चौकी प्रभारी सुशील यादव ने बताया कि आरोपी तुषार झा को गिरफ्तार कर लिया गया है। मृतक के साथी रमाकांत की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। रामशिरोमणि बिंद खेती-किसानी कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। परिवार में तीन बेटे रामदेव, लालन और दीपक तथा दो बेटियां हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

## सदरपुर थाने में 'नारी शक्ति' का सम्मान,महिला आरक्षियों ने किया नवनिर्मित भवनों का उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**महमूदाबाद-सीतापुर।** पुलिसिंग को आधुनिक बनाने और महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करने की दिशा में जनपद सीतापुर ने एक नई मिसाल पेश की है। थाना सदरपुर में नवनिर्मित विभिन्न कार्यालयों का उद्घाटन किसी वीआईपी के बजाय वहां तैनात नवनियुक्त महिला आरक्षियों के हाथों संपन्न हुआ। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल की उपस्थिति में महिला आरक्षियों ने फीता काटकर मिशन शक्ति केंद्र, महिलाओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए सुविधाओं का शुभारंभ किया। प्रभारी निरीक्षक कार्यालय का बेहतर प्रशासनिक प्रबंधन हेतु व डिजिटल पुलिसिंग और रिकॉर्ड की सटीकता व आधुनिक मालखाना एवं हवालात, सुरक्षा और व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु सुविधाओं का शुभारंभ किया। उद्घाटन के बाद पुलिस अधीक्षक ने महिला पुलिसकर्मियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ये नई सुविधाएं केवल ईट-पत्थर का ढांचा नहीं, बल्कि आम जनमानस के विश्वास का केंद्र हैं। महिला आरक्षियों द्वारा उद्घाटन कराना 'मिशन शक्ति' के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पुलिस का लक्ष्य शिकायतों का शीघ्र निस्तारण और निष्पक्ष कार्यप्रणाली होना चाहिए। कार्यक्रम के उपरांत एसपी ने क्षेत्र के सभी थाना प्रभारियों महमूदाबाद, बिसवां, थानगांव व सदरपुर के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की। इसमें आगामी चुनौतियों, शांति व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को लेकर कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए।

बड़े मंगलवार का दिन होने के कारण प्रसाद का भी वितरण किया गया संयोग से यह आयोजन ज्येष्ठ मास के द्वितीय बड़े मंगलवार के पावन अवसर पर हुआ। इस उपलक्ष्य में एसपी अंकुर अग्रवाल और एएसपी (दक्षिणी) दुर्गेश कुमार सिंह ने पुलिस परिवार के साथ मिलकर आम जनता को प्रसाद वितरित किया। अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों से संवाद कर पुलिस-पब्लिक समन्वय को मजबूत करने की अपील भी की। इस गरिमामयी अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी दुर्गेश कुमार सिंह, विभिन्न थानों के प्रभारी निरीक्षक, प्रतिसार निरीक्षक और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सदरपुर थाने का यह कायाकल्प न केवल पुलिसकर्मियों की कार्यक्षमता बढ़ाएगा, बल्कि 'मिशन शक्ति' के अंतर्गत आने वाली महिला फरियादियों को एक सुरक्षित और सुलभ वातावरण प्रदान करेगा।

## लखनऊ में खाने पीने के विवाद को लेकर दोस्त ने कनपटी पर पटरे से वार कर की हत्या

**लखनऊ।** बाजारखाला के तिलकनगर स्थित महाराजा अग्रसेन पार्क में मंगलवार दोपहर दो युवक पार्क में गए और खाने पीने को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि एक युवक ने अपने साथी की लकड़ी के पटरे से पीटकर हत्या कर दी और मौके से भाग निकला। लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस छानबीन में जुट गई और आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मोतीझील संजयनगर निवासी दयाराम गौतम का 40 वर्षीय बेटा विजय गौतम गद्दा रजाई की भराई का काम करता था। परिजनों के मुताबिक विजय सुबह 10 बजे काम के लिए घर से निकला था। आज दोपहर विजय गौतम अपने दोस्त बाजारखाला मोतीझील निवासी पिंटू के साथ तिलकनगर स्थित महाराजा अग्रसेन पार्क में गए थे और पार्क में पड़ी बेंच पर बैठे थे जहाँ खाने पीने को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि पिंटू ने लकड़ी के पटरे से विजय गौतम की कनपटी पर ताबड़तोड़ वार कर लहूलुहान कर हत्या कर दी और मौके से भाग निकला, लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुँची पुलिस ने घटनास्थल के आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज चेक किए। जिसमें दोनों एक साथ एक दूसरे पर हाथ रखकर हंसी ठिठोली करते हुए पार्क में अंदर गए और बाद में पिंटू एक पटरा लेकर पार्क से निकलते हुए नजर आया है। वहीं, पुलिस ने आरोपित पिंटू को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुटी हुई है। वहीं घटनास्थल पर पड़ी बेंच पर टिफिन व बेंच के नीच सौ व बीस की नोट भी पड़ी हुई थी। मृतक विजय के परिवार में बहन निशा, मां रामकली, भाई अंकित, भांजी प्राची रहती है। पिता दयाराम कई साल पहले गुमशुदा हो गए थे।

## संक्षिप्त खबरें

### नल रिबोर और मरम्मत के नाम पर लाखों खर्च फिर भी नल सूखे

**लखीमपुर खीरी-** जनपद खीरी के अन्तर्गत नकहा ब्लॉक से बड़ी खबर सामने आई हैं।सूत्र बताते है कि विकासखंड नकहा की ग्राम पंचायत रामापुर रौली में सरकारी धन के दुरुपयोग का सनसनीखेज मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पंचायत में हैंडपंप नल रिबोर और मरम्मत के नाम पर लाखों रुपये का घोटाला किया गया है।ग्रामीणों के मुताबिक, पंचायत के रिकॉर्ड में दर्जनों हैंडपंपों के रिबोर और मरम्मत पर लाखों का बजट खर्च दिखाया गया है। लेकिन हकीकत यह है कि गांव के ज्यादातर हैंडपंप आज भी खराब पड़े हैं। आरोप है कि बिना काम किए ही फर्जी मस्टररोल और बिल लगाकर सरकारी रकम निकाल ली गई। केवल नल ही नहीं, कई अन्य योजनाओं में भी खेल के आरोप लगाए जा रहे हैं।ग्रामीणों का दावा है कि घोटाला सिर्फ नल रिबोर तक सीमित नहीं है। नल-जल योजना, सीसी रोड, नाली निर्माण, खड़ंजा और मनरेगा के कार्यों में भी बड़े पैमाने पर हेराफेरी की गई है। कागजों में सभी काम पूर्ण दिखाकर भुगतान करा लिया गया, जबकि गांव में विकास कहीं नजर नहीं आता है।गांव के लोगों ने बताया कि पानी की किल्लत से जूझने के बावजूद पंचायत स्तर से कोई मदद नहीं मिली। कई बार ब्लॉक और तहसील में शिकायत की गई, लेकिन जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हुई।अब देखना है कि नवागत जिलाधिकारी खीरी द्वारा इस मामले पर क्या कार्रवाई की जाएगी, होगी मामले की जांच या फिर मामले की लीपापोती कर रफा-दफा कर दिया जाएगा।

### पंचायत भवन मितौली में जीपीडीपी के तहत बैठक आयोजित

**नीमगांव खीरी।** ग्राम पंचायत मितौली प्रांगण में ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने,पंचायत के विकास हेतु जीपीडीपी योजना के तहत राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कर्ताओं की मौजूदगी में ग्राम चौपाल का सफल आयोजन किया गया । चौपाल में क्षेत्र पंचायत, ग्राम पंचायत सदस्य तथा स्वयं सहायता समूह की महिलाएं एवं अन्य ग्रामीणों ने राज्य स्तरीय ट्रेनरों को तमाम समस्याओं से अवगत कराया सर्वसम्मति से विचार कर स्वीकृत प्रदान की गई। लखनऊ से पधारे राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कर्ता डॉक्टर विनय बहादुर पांडे, जितेंद्र प्रताप सिंह, दिनेश राय, ने चौपाल में मौजूद लोगों को ग्राम पंचायत की आय बढ़ाने के तमाम तरीके बताए जिससे पंचायते स्वालम्बी बन सके उपस्थित लोगों से सुझाव प्राप्त किये । इसके बाद ग्रामीणों तथा महिलाओं ने ट्रेनरों के सामने अपनी समस्याओं का ब्योरा पेश किया जिसके अंतर्गत कुटीर उद्योग की स्थापना, सिलाई कढ़ाई ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण केंद्र, विजुअल लाइब्रेरी की स्थापना , ग्राम पंचायतों की मरम्मत आंगनबाड़ी केदो पर समुचित व्यवस्था के साथ जर्जर भवनो की मरम्मत, शुद्ध पेयजल, गौशाला का निर्माण, खेलकूद मैदान, चौराहे पर सोलर लाइट, और जल निकासी की व्यवस्था, बारात घर की स्थापना, घी दूध घी उत्पादन, पिंक शौचालय पंचायत भवन में सुंदर सभागार बनवाने की मांग प्रमुख रहीं। इस अवसर पर राज्य स्तरीय ट्रेनरों के अलावा ग्राम प्रधान मितौली नीरज कश्यप, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी मनोज कुमार, पूर्व ग्राम प्रधान मास्टर दिनेश कुमार, पंचायत मित्र अनूप तिवारी,पंचायत सहायक फिजा इदरीशी, काशी रामपाल समस्त ग्राम पंचायत सदस्य समूह की महिलायें गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

### दिल्ली में ई-रिक्शा रजिस्ट्रेशन से हटी रोक, 15 मई से घर बैठे करें अप्लाई

**नई दिल्ली।** राजधानी में ई-रिक्शा रजिस्ट्रेशन पर लगी रोक हटाते हुए 15 मई 2026 से इसे फिर से शुरू करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही ई-रिक्शा ड्राइवरों के प्रशिक्षण प्रमाणपत्र जारी करने वाला पोर्टल भी पुनः सक्रिय कर दिया गया है। इस फैसले का ईवी मैन्युफैक्चरिंग सोसायटी (ईवीएमएस) ने स्वागत करते हुए दिल्ली सरकार का धन्यवाद किया है। ईवीएमएस के जनरल सेक्रेटरी राजीव तुली ने बताया कि पिछले चार-पांच महीनों से रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया बंद थी, जिससे ई-रिक्शा से जुड़े हजारों लोगों को परेशानी हो रही थी। मुख्य विवाद ड्राइवरों के ट्रेनिंग सर्टिफिकेट और सिस्टम सुधार को लेकर था। इस मुद्दे पर ईवीएमएस के प्रतिनिधिमंडल ने परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह से मुलाकात की। पंकज सिंह ने जानकारी दी कि 12 मई 2026 से ट्रेनिंग सर्टिफिकेट जारी करने वाला पोर्टल दोबारा शुरू कर दिया गया है और 15 मई से रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। इससे पहले प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से भी मुलाकात की थी, जिसमें जल्द समाधान का आश्वासन दिया गया था। ईवीएमएस ने कहा कि यह फैसला ई-रिक्शा ड्राइवरों, निर्माताओं और डीलरों के लिए राहत भरा है। प्रतिनिधिमंडल में राजीव तुली के साथ अमित झांब, पवन कक्कड़, मितुल बत्रा और दिनेश गोयल भी शामिल रहे।

# असम सरकार का शपथ ग्रहण समारोह

**● असम के मुख्यमंत्री के रूप डॉ हिमांता विश्व शर्मा सहित चार मंत्रियों ने किया शपथ ग्रहण**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**असम धेमाजी।** असम में एन डी ए की सहयोग में भाजपा दल ने आज तीसरी बार के लिए असम में भगवा झंडा लहराकर सरकार गठन किया। गुवाहाटी के खानापाड़ा पशु महाविद्यालय के खेल मैदान में राज्य सरकार द्वारा शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। 11 बजे मंच पर राष्ट्रीय संगीत के साथ असम के जातीय संगीत से अनुष्ठान का शुभारम्भ किया गया। अनुष्ठान में असम के मुख्यमंत्री के रूप में दूसरी बार के लिए डॉ हीमंता बिस्वा शर्मा को राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने गोपनीयता एवं संविधान के शपथ वाक्य पाठ कराया। इनके साथ मंत्री के रूप में रामेश्वर तेली, चरण बोडो, अतुल बोरा, अजंता नेउग, को भी शपथ वाक्य पाठ कराया गया। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, डिफेंस मिनिस्टर राजनाथ सिंह,भाजपा दल के अध्यक्ष नितिन नवीन, किरण रिजीजू, पवित्र मार्गरिटा,आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,दिल्ली के मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, अरुणाचल के मुख्यमंत्री प्रेमा खांडू, पूर्वोत्तर के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रीया, आमंत्रित अतिथियों, एनडीए ओर भाजपा ओर मित्रोदल के विधायकों, सांसदों, विभिन्न जिलों से भारी संख्या में पधारे भाजपा कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में असम में तीसरी बार भाजपा सरकार गठन के शपथ ग्रहण समारोह का सफल समापन हुआ।

### गुरुद्वारा बंगला साहिब में खुला 'दान काउंटर', गरीब बच्चों को मिलेगा नया सहारा

**नई दिल्ली।** दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) द्वारा गुरुद्वारा बंगला साहिब परिसर में मरीजों को सस्ती स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करा रही है। अब यहां से आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चों को मिलेगी। इसके लिए, गुरुद्वारा बंगला साहिब के बाहर विशेष शिक्षा सेवा काउंटर स्थापित किया है। इस काउंटर पर लोग पुस्तक, पाठ्य सामग्री, स्कूल बैग आदि दान कर सकते है। इसे जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचाया जाएगा। डीएसजीएमसी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका ने कहा कि विशेष सेवा काउंटर स्थापित करने का उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा से जोड़ना तथा उनकी आधारभूत शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करना है। डीएसजीएमसी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए इस महत्वपूर्ण कार्य की शुरुआत की है। संगत उत्साह के साथ इसमें योगदान दे रहा है। लोग कॉपी-किताब, स्कूल बैग व छात्रों के उपयोग की अन्य सामग्री दान दे रहे हैं। यदि कौम को तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ना है, तो बच्चों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा से जोड़ना बहुत जरूरी है।उन्होंने बताया कि संगत के सहयोग से गुरुद्वारा बंगला साहिब में स्थित पुस्तकालय का भी नवीनीकरण किया गया है। इस पुस्तकालय में सिख इतिहास और विरासत से संबंधित पुरानी पुस्तकें और दुर्लभ अध्ययन सामग्री संरक्षित की गई हैं। प्राचीन ग्रंथों के साथ-साथ नई शिक्षा प्रणाली से संबंधित पुस्तकें भी हैं।

### तमन्ना भाटिया नहीं, नरगिस फाखरी 'रागिनी MMS 3' में बनेंगी आयुष शर्मा की ऑनस्क्रीन पार्टनर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बॉलीवुड में इन दिनों हॉरर और सुपरनैचुरल फिल्मों का क्रेज लगातार बढ़ता जा रहा है और इसी बीच एक बार फिर चर्चित फ्रेंचाइजी 'रागिनी MMS' सुर्खियों में आ गई है। लंबे समय से इस फिल्म को लेकर अलग-अलग अपडेट सामने आ रहे थे, लेकिन अब जो खबर आई है उसने फैंस की एक्साइटमेंट को कई गुना बढ़ा दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार फिल्म में सिर्फ डर और सस्पेंस ही नहीं, बल्कि ग्लैमर और नए ऑनस्क्रीन पेयरिंग का भी जबरदस्त तड़का देखने को मिलेगा। एकता कपूर की फिल्म फ्रेंचाइज़ी की बात हो और चर्चा न हो ऐसा हो ही नहीं सकता है। 'रागिनी MMS' का तीसरा पार्ट की कास्ट लोगों के बीच सुर्खियां बटोर रहे हैं। फिल्म में सलमान खान के जीजा आयुष शर्मा, तमन्ना भाटिया, जुनैद खान और नरगिस फाखरी नजर आने वाले हैं, जिनको लेकर खबर थी कि इन चार स्टार्स में से आयुष और तमन्ना को ऑन स्क्रीन कपल के तौर पर देखा जा सकता है, लेकिन अब इस मामले में नया अपडेट देखने को मिल रहा है। पहले खबरें थीं कि तमन्ना भाटिया फिल्म में आयुष शर्मा के साथ रोमांस करती नजर आएंगी, लेकिन अब नई रिपोर्ट्स के बताया जा रहा है कि कहानी में बड़ा बदलाव किया गया है। नई रिपोर्ट के मुताबिक, नरगिस फाखरी को आयुष शर्मा के अपोजिट लाया गया है। इस खबर ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है, क्योंकि लंबे समय बाद नरगिस किसी बड़े बॉलीवुड प्रोजेक्ट में नजर आने वाली हैं। वहीं फिल्म में जुनैद खान का नाम भी लगातार चर्चा में बना हुआ है। साथ ही ये भी बताया जा रहा है कि नरगिस एक पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आने वाली हैं, जो कि उनके फैंस के लिए कमाल का एक्सपीरियंस होने वाला है। बताया जा रहा है कि इस बार 'रागिनी MMS 3' अपने पुराने बोल्ड और हॉरर फॉर्मेट से थोड़ा अलग होने वाली है। मेकर्स इसे एक हाई-कॉन्सेप्ट सुपरनैचुरल थ्रिलर के तौर पर तैयार कर रहे हैं, जिसमें डर, मिस्ट्री, सस्पेंस और रोमांस का नया कॉम्बिनेशन देखने को मिलेगा. फिल्म को शशांक घोष डायरेक्ट कर रहे हैं और बताया जा रहा है कि इसकी शूटिंग जुलाई 2026 से शुरू हो सकती है और 2027 में ये सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है।

### न इंजन, न बोरिंग, काग़ज़ों पर वाटर होल में भरा जा रहा पानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**मैलानी खीरी-** जनपद खीरी की वन रेंज मैलानी में वन दरोगा और रेंजर की मिलीभगत से सरकारी धन का दुरुपयोग कर लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है।सूत्र बताते हैं कि यह सारा खेल रेंजर और वन दरोगा राजा राम तिवारी की बीट जटपुरा और सलेमपुर बीट के फॉरेस्ट गॉर्ड की मिलीभगत से होने की बात सामने आयी है। मिली जानकारी के अनुसार जटपुरा बीट के अंतर्गत बोरिंग करने के लिए शासन द्वारा दिए गए बजट को कागजों पर वाटर होल और उस पर बोरिंग कार्य दिखाकर आपस में बंदरबांट कर लिया गया जबकि हकीकत की जमीन एक वाटर होल के अलावा किसी भी वाटर होल पर बोरिंग नहीं कराई गई। काफी जगहों पर तो वाटर होल तक नहीं बनाए गए हैं। गर्मी के सीजन में पर्याप्त पानी की उपलब्धता न होने के चलते जंगली जानवर जंगल के बाहर निकलने को विवश है ।विभागीय सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार मैलानी रेंज की जटपुरा बीट के कंपार्टमेंट नंबर 8 और 9 तथा सलेमपुर बीट के अंतर्गत कंपार्टमेंट 10 व 11 कि यदि कुंभबिग करा ली जाए तो वाटर होल और उन पर कराई गई बोरीगो की सच्चाई तो सामने आ ही जाएगी साथ ही साथ उक्त कंपार्टमेंटों में कराए गए लकड़ी के अवैध कटान का भी पर्दाफाश हो जाएगा। जटपुरा बीट और सलेमपुर बीट के उपरोक्त कंपार्टमेंटों में लगी हजारों जड़ें चीख चीखकर वन दरोगा और फॉरेस्ट गार्ड की भ्रष्टाचार की दास्तान स्वयं ही बयां करते नजर आएगी। बताया जाता है सलेमपुर बीट में एक भी वाटर होल नहीं बना है वही कंपार्टमेंट नंबर 07 में एक वाटर होल बना है पर उसपर बोरिंग नहीं है वही कंपार्टमेंट 10 में बोरिंग नहीं है कंपार्टमेंट 9 में एक वाटर होल और बोरिंग है। तथा कंपार्टमेंट आठ में न तो बोरिंग और न ही वाटर होल हीं है ।मामले की सी. एम. पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद भी प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा मामले की जांच नहीं करायी जा रही है।जिससे डी एफ ओ की भूमिका सवालों के घेरे में दिखाई पड़ रहीं हैं। जानकारी के अनुसार यही रेंजर साहब गत वर्षों पूर्व इसी रेंज से सस्पेंड हुए थे और सेटिंग गेटिंग करके फिर इसी कमाऊ रेंज में आ जम गए। लोगों की माने तो यदि डी एफ ओ करा ले मौके की जांच टीम गठित कर कंपार्टमेंट 8 और 9 तथा सलेमपुर बीट के कंपार्टमेंट नंबर 10 और 11 की जांच तो भारी भ्रष्टाचार का खुलासा होना तय है

# 'दोबारा हमला किया तो...'. ईरान की अमेरिका-इजरायल को धमकी

**● न्यूक्लियर डस्ट को लेकर ट्रंप की बढ़ी चिंता**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**नई दिल्ली।** ईरान ने साफ चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका या इजरायली सेनाएं उस पर दोबारा हमला करती हैं तो वह अपने यूरेनियम भंडार को 90 प्रतिशत शुद्धता तक संवर्धित कर सकता है, जो हथियार-ग्रेड स्तर माना जाता है। यह धमकी ऐसे वक्त में आई है जब मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ नए सैन्य अभियान पर विचार कर रहे हैं। ईरानी संसदीय आयोग के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए कहा, 'एक और हमले की स्थिति में ईरान के विकल्पों में से एक 90 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन करना हो सकता है। हम संसद में इस पर विचार करेंगे।'

**ट्रंप की 'न्यूक्लियर डस्ट' चिंता**

ट्रंप ने ईरान के समृद्ध यूरेनियम को 'न्यूक्लियर डस्ट' करार देते हुए इसे तेहरान के खिलाफ अपने अभियान का प्रमुख कारण बताया है। यह संघर्ष अब 70 दिनों से अधिक समय से जारी है। ट्रंप ने साफ कहा है कि उन्हें (ईरान को) परमाणु हथियार हासिल करने की कभी इजाजत नहीं दी जाएगी। इस हफ्ते ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि अमेरिका ईरान के यूरेनियम भंडार पर करीब से नजर रख रहा है। अगर कोई उस जगह के पास भी गया तो हमें पता चल जाएगा और हम उन्हें उड़ा देंगे।' सोमवार को ट्रंप ने ईरान के जवाबी प्रस्ताव को ठुकरा दिया और कहा कि मध्य-पूर्व में संघर्ष-विराम 'लाइफ सपोर्ट' पर है। ईरान ने अपने प्रस्ताव में कहा था कि उसकी सेना किसी भी आक्रामक कार्रवाई का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार है।वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के जवाबी प्रस्ताव में कुछ अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम को कम करने और बाकी को तीसरे देश में स्थानांतरित करने की बात शामिल थी।

**ईरान का बढ़ता यूरेनियम भंडार**

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले आठ वर्षों में जब ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में ईरान परमाणु समझौते (JCPOA) से अमेरिका को बाहर निकाला था ईरान ने लगभग 11,000 किलोग्राम (22,000 पाउंड) संवर्धित यूरेनियम जमा कर लिया है। ईरान ने 2006 में औद्योगिक स्तर पर यूरेनियम संवर्धन शुरू किया था और दावा किया था कि यह शांतिपूर्ण प्रयोजन के लिए है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) की रिपोर्टों में पाया गया कि इसका भंडार लगातार बढ़ा है। वर्तमान में ईरान के पास 440.9 किलोग्राम यूरेनियम 60 प्रतिशत शुद्धता तक संवर्धित है, जो 90 प्रतिशत हथियार-ग्रेड स्तर से महज एक तकनीकी कदम दूर है। विशेषज्ञों के अनुसार, संवर्धन की प्रक्रिया में जितनी सांद्रता बढ़ती है, आगे संवर्धन उतना आसान हो जाता है। 2015 के परमाणु समझौते के तहत प्रतिबंध हटाने के बदले ईरान ने अपनी गतिविधियां सीमित करने का वादा किया था, लेकिन ट्रंप के फैसले के बाद यह टूट गया।

**भंडार की लोकेशन अनिश्चित**

IAEA प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने इस हफ्ते कहा कि ईरान का अधिकांश समृद्ध यूरेनियम इस्फहान न्यूक्लियर कॉम्प्लेक्स में रखा हुआ है। जून 2025 के 12-दिवसीय युद्ध के दौरान यहां हमले हुए थे। ग्रॉसी ने कहा, 'हम पुष्टि या इनकार नहीं कर पाए हैं, लेकिन हमारा अनुमान है कि सामग्री वहीं है।' ईरान का परमाणु कार्यक्रम लंबे समय से विवादों का केंद्र रहा है। पूर्व राष्ट्रपति हसन रूहानी ने भी 2021 में स्वीकार किया था कि जरूरत पड़ने पर 90 प्रतिशत संवर्धन संभव है।

# यमुना के डूब क्षेत्र में पार्किंग टेंडर रद-दिल्ली हाईकोर्ट

**● हाई कोर्ट ने कहा- पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली कोई गतिविधि मंजूर नहीं**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**नई दिल्ली।** दिल्ली हाई कोर्ट ने पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्र में किसी भी प्रकार की धार्मिक या व्यावसायिक गतिविधि पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के हित और क्षेत्र की पारिस्थितिक संवेदनशीलता को देखते हुए बाढ़ क्षेत्र में किसी भी प्रकार की व्यावसायिक/धार्मिक गतिविधियों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जाएगा। कोर्ट ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को यमुना सुर घाट पर धार्मिक-व्यवसायिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाना सुनिश्चित करने का आदेश दिया। अदालत ने निर्देश दिया कि डीडीए यह सुनिश्चित करे कि उक्त भूमि पर पार्किंग या किसी भी प्रकार की गतिविधि की अनुमति न दी जाए, फिर चाहे किसी शुभ अवसर पर नदी को श्रद्धांजलि अर्पित करने आने वाले लोगों की सुविधा के लिए ही क्यों न हो। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा यमुना अदालत ने उक्त आदेश सुर घाट पर स्थित पार्किंग स्थल के रखरखाव के लिए 2022 में जारी की गई निविदा को बहाल करने की मांग वाली सुरेश कुमार की याचिका पर पारित किया। डीडीए और एमसीडी के बीच हुए एक समझौता ज्ञापन के तहत यह टेंडर जारी किया गया था। रखरखाव कार्य के लिए सुरेश कुमार ने सबसे ऊंची बोली लगाई थी। यह निविदा डीडीए और एमसीडी के बीच हुए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत जारी किया गया था। रखरखाव के काम के लिए सबसे ऊंची बोली लगाने वाले याचिकाकर्ता ने कहा कि पार्किंग स्थलों का भौतिक कब्जा उन्हें सौंप दिया गया था और निविदा के तहत काम शुरू हो चुका था। हालांकि, बाद में 2025 में एमसीडी और डीडीए द्वारा यह आवंटन रद कर दिया गया। डीडीए ने अदालत को सूचित किया कि उक्त जमीन यमुना के बाढ़ वाले इलाकों में आती है और इसका इस्तेमाल व्यवसायिक उद्देश्य के लिए नहीं किया जा सकता। डीडीए के रुख को देखते हुए अदालत ने बाढ़ क्षेत्र में पार्किंग स्थल को बहाल करने की मांग को ठुकराते हुए याचिका खारिज कर दी। अदालत ने

यह भी कहा कि याची ने निविदा को रद किए जाने को चुनौती नहीं दी थी और निविदा रद होने पर मुआवजे की मांग का फैसला रिट याचिका के बजाय दीवानी मुकदमे में किया जा सकता है।

**बाढ़ क्षेत्र से दूर पार्किंग की वैकल्पिक व्यवस्था करे डीडीए**

पीठ ने कहा कि अगर यमुना में श्रद्धांजलि देने आने वाले श्रद्धालुओं को पार्किंग की जगह की जरूरत पड़ती है, तो डीडीए को यमुना घाट के पर्यावरण के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र को नुकसान पहुंचाए बिना पार्किंग के वैकल्पिक इंतजाम करने चाहिए। पीठ ने कहा कि अदालत की राय में किसी भी शुभ अवसर पर नदी की पूजा करने आने वाले लोगों के लिए पार्किंग की जगह उपलब्ध कराना जरूरी है, तो डीडीए यमुना के बाढ़ वाले मैदानों से दूर वैकल्पिक व्यवस्था करे।

### नीट परीक्षा लीक होने के विरोध में शिक्षा मंत्रालय के बाहर NSUI का प्रदर्शन,25 कार्यकर्ता हिरासत में

**● एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को शिक्षा मंत्रालय के बाहर नीट परीक्षा रद्द होने के विरोध में प्रदर्शन किया**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**दिल्ली:** नीट परीक्षा 2026 को रद्द किए जाने के विरोध में मंगलवार को एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने शिक्षा मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने परीक्षा लीक होने को लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं का कहना था कि नीट की तैयारी में छात्रों ने महीनों मेहनत की है और परीक्षा रद होने से उनमें निराशा और असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। संगठन ने मांग की है कि सरकार छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए जल्द स्पष्ट निर्णय ले। प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर करीब 20 से 25 एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को शिक्षा मंत्रालय के बाहर से हटाया और स्थिति को नियंत्रित किया। बाद में सभी कार्यकर्ताओं को पुलिस थाने ले जाया गया।

### अखिलेश यादव ने दागे सवाल 'देश की लड़खड़ाई अर्थव्यवस्था का जिम्मेदार कौन, प्रधानमंत्री को देशवासियों से अपील क्यों करनी पड़ रही'?

**प्रयागराज।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का आज मंगलवार को प्रयागराज आगमन हुआ। उन्होंने सवाल उठाया कि देश की लड़खड़ाई अर्थव्यवस्था का जिम्मेदार कौन है। डालर लगातार नीचे जा रहा है। प्रधानमंत्री को देश के लोगों से अपील करनी पड़ रही है, लेकिन जो लोकसभा चुनाव हारे हैं वह अपील के बाद भी हारेंगे। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ये बातें प्रयागराज एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि वह पहले ही कह रहे थे कि देश की अर्थव्यवस्था लड़खड़ा गई है, लेकिन तब भाजपा की सरकार सब कुछ ठीक-ठाक होने की बात कह रही थी। अब जनता से अपील क्यों करनी पड़ रही है।

### लखनऊ में सैलून मैनेजर ने किया सुसाइड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखनऊ।** शहीद पथ के शालीमार वन वर्ड में सोमवार की देर रात निजी सैलून की मैनेजर ने फंदे से लटककर जान दे दी। आत्महत्या के पहले उन्होंने एक वीडियो बनाया। 25 सेकेंड के वीडियो में उन्होंने अपनी परिचित एक महिला, कुछ युवक और उनके परिवार पर प्रताड़ित करने, आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। पुलिस ने उनका मोबाइल फोन कब्जे में लिया है। वीडियो में जिन लोगों के नाम लिए गए हैं पुलिस उनका पता भी लगा रही है। गोरखपुर के कैंट स्थित बिछिया गांव निवासी 32 वर्षीय रतना सिंह शहीद पथ के शालीमार वन वर्ड के टावर सी-1 के फ्लैट 804 में रहती थी। रात 2:30 बजे रतना के एक परिचित ने पुलिस को सूचना दी की उन्होने अपने फ्लैट में फंदे से लटककर जान दे दी है। इंस्पेक्टर सुधीर अवस्थी ने बताया कि रतना मानसून सैलून की मैनेजर थी। देर रात उन्होंने रोते हुए अपनी एक सहेली को फोन किया और कहा कि वह आत्महत्या करने जा रही हैं। सहेली ने रतना के एक परिचित को फोन कर पूरी बात बताई। इसके बाद सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को छत पर लगे पंखे में दुपट्टे के फंदे से नीचे उतारा। वह फ्लैट में अकेले ही रहती थी। रतना ने अपने वीडियो में कहा कि आज मैं सुसाइड करने जा रही हूं, आगे उन्होंने तीन युवक, दो युवतियों के साथ ही एक युवक के परिवार को इसका कारण बताया है। इंस्पेक्टर ने बताया कि परिवार ने फिलहाल कोई आरोप नहीं लगाया है। मोबाइल फोन की मदद से साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं। पुलिस लेनदेन समेत अन्य बिंदुओं पर जांच कर रही है।

### ठग सुकेश चंद्रशेखर मनी लॉन्ड्रिंग केस में सरकारी गवाह बनने से पीछे हटीं जैक्लिन फर्नांडीज, ईडी ने किया था विरोध

**नई दिल्ली।** ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लांड्रिंग मामले में सरकारी गवाह बनने की अपनी अर्जी अभिनेत्री जैक्लिन फर्नांडीज ने वापस ले ली है। जैक्लिन के अधिवक्ता ने इस बात की पुष्टि की कि पटियाला हाउस के विशेष न्यायाधीश प्रशांत शर्मा के सामने दायर अपनी अर्जी जैक्लिन ने वापस ले ली है। जैक्लिन ने यह कदम प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनकी अर्जी का विरोध करने के एक दिन बाद उठाया। ईडी ने जैक्लिन की अर्जी का विरोध करते हुए कहा था कि आरोपित सुकेश के आपराधिक इतिहास के बारे में पता होने के बावजूद वह नियमित रूप से उसके संपर्क में बनी रहीं थीं। इतना ही नहीं सुकेश द्वारा अपराध से हासिल कमाई की जैक्लिन बड़ी लाभार्थी रहीं हैं और उन्होंने महंगे तोहफे और सामान स्वीकार किए थे।

# ख़ास दो फर्मों करोड़ों के टेन्डर देने के बाबु पर आरोप

**● सी. डी.-1 में मेट की पत्नी के नाम पंजीकृत फर्म पर रेवड़ी की तरह दिए गए टेन्डर**

**एक्सइन की नाक के नीचे लंबे समय से चलता रहा खेल, साहब को भनक तक नहीं**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखीमपुर खीरी-** जनपद के लोक निर्माण विभाग में भ्रस्टाचार का एक अजब ग़ज़ब मामला प्रकाश में आया है जो योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस की धज्जियाँ उड़ाते हुए दिखाई पड रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड अधिशासी अभियंता कार्यालय में तैनात बाबु द्वारा नियम कानून को खूंटी में टांग कर अधिकांश ठेके अपने चाचा और भाई की पत्नी के नाम पंजीकृत फर्मों को देकर अप्रत्यक्ष रूप से स्वयं ठेकेदारी की जाती रहीं हैं।उक्त दोनों फर्में बाबु जी के घर की बताई जाती हैं। लोगों का आरोप तो यह भी है कि बाबू जी ने पर्दे के पीछे से ठेकेदारी करके करोड़ों की नामी बेनामी सम्पत्ति बना डाली।अधिकांश कार्य योजनाओं का कार्य इन्हें ही दिए जाने की जन चर्चा जोरों पर है।मजेदार बात तो यह है कि एक फर्म के स्वामी के पति सी. डी 1 में मेट के पद पर तैनात है। और प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता कार्यालय में तैनात बाबु के चाचा बताए जाते हैं। अहम सबाल यह बनता है कि जब सी. डी.-1 में मेट है तो प्रांतीय खंड में ठेकेदारी कैसे कर सकते है! यह साहब कब मेट की ड्यूटी करते होंगे और कब ठेकेदारी? एक समय में दो जगह दो काम कैसे सम्भव है? और इसका अधिशासी अभियंता द्वारा संज्ञान न लिया जाना साहब की भूमिका और निष्ठा पर संदेह पैदा करने को काफी है।एक विभागीय सूत्र ने बताया कि इतना भुगतान होता रहा, करोड़ों के टेन्डर दिए गए और एक्सइन को पता नहीं कैसे सम्भव है? यदि मामले की उच्च स्तरीय जांच टीम गठित कर गत तीन वर्षों में इन फर्मो को दिए गए टेन्डर के द्वारा कराए गए कार्यो की करा ली जाय जांच तो काफी अनियमितता देखी जा सकती है! सूचना अधिकार अधिनियम से चाही गई सूचना भी उपलब्ध नहीं करायी जा रही है। जानकारी यह भी सामने आ रहीं हैं अपने कारनामों की प्रकाशित ख़बरों के बाद बाबु जी नया फ़ार्मूला अख्तियार कर लिया है जिन फर्मो के विषय में ख़बरें चल रही है उन फर्मो को दरकिनार कर नई दो फर्में फिक्स कमिशन पर हायर कर लगाई जा रही हैं अब इन्हीं पर खेल होने की चर्चा आम हो रहीं हैं फिलहाल मैं इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं करता हूं मामला जांच का विषय है जांच और सूचना अधिकार अधिनियम से मांगी गई सूचना मिलने के बाद दुध का दुध और पानी का पानी होना तय माना जा रहा है। मामले की लिखित शिकायत अधीक्षण अभियंता समेत प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग उत्तर प्रदेश शासन से किए जाने की चर्चा जोर पकड़ती जा रहीं है। क्या कहते हैं अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग लखीमपुर खीरी ने कहा आप आइए हमारे पास बैठिए हम बताते हैं कि कोई गडबडी नहीं है जब मेट पद पर तैनात कर्मी की पत्नी के नाम पंजीकृत फर्म की जानकारी चाही तो फोन काट दिया।